



भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद गुरुवार को टोफी के साथ घर पहुंची। टीम इंडिया ने मुंबई में मरीन ड्राइव से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक विकट्री परेड की। अपनी चैंपियन टीम के खिलाड़ियों को देखने के लिए मुंबई में फैन्स और प्रशंसकों का बहुत बड़ा हुजूम उमड़ पड़ा। मुंबई में गुरुवार के दिन इतनी भीड़ जुटी कि मरीन ड्राइव से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक सड़कें भीड़ से अट गईं। गुरुवार की सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर खिलाड़ी दिल्ली के एयरपोर्ट पर उतरे थे। कुछ देर होटल में आराम करने के बाद टीम के सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जिसके बाद टीम मुंबई के लिए रवाना हुई, जहां रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने विकट्री परेड में हिस्सा लिया। मुंबई एयरपोर्ट से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक भारतीय फैन्स अपने चैंपियन्स की एक झलक पाने के लिए डटे रहे। वानखेड़े में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विराट कोहली, रोहित शर्मा, राहुल द्रविड और जसप्रीत बुमराह ने टूर्नामेंट जीतने के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बी.सी.सी.आई. ने भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि, 29 जून को खिलाड़ी मुंबई में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराने के बाद भारतीय टीम कई दिनों तक बारबाडोस में ही टूफान के कारण फंसी रही थी। फिर, बी.सी.सी.आई. सचिव जय शाह के प्रयासों से खिताब जीतने के चार दिन बाद टीम इण्डिया दिल्ली पहुंची।

तमिलनाडू में सभी कोचिंग व ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाये गये

तमिलनाडू सरकार द्वारा न्यायाधीश मुरुगेशन की अध्यक्षता में गठित 14 सदस्यीय पैनल ने यह सिफारिश की है अपनी रिपोर्ट में

-लक्ष्मण बैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। तमिलनाडू सरकार शिक्षा के अपने सिस्टम को मजबूत करने के लिए कठोर कदम उठाने का विचार कर रही है। इसके अन्तर्गत कोचिंग और ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिनके कारण शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है। नीट पेपर लोक व अन्य गडबडियों के बाद यह मुद्दा अब देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। इसको लेकर चल रहे विचार-विमर्श के मूल में कोचिंग और ट्यूशन सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाना है। शिक्षा का व्यवसायीकरण रोकने को लेकर जस्टिस मुरुगेशन की सिफारिशों में से यह एक है। चौदह

राहुल गांधी ने मजदूरों के साथ दीवार की चिनाई की

नई दिल्ली, 4 जुलाई। रायबरेली से सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में मजदूरों के साथ मुलाकात की। गुरुवार को उन्हें जी.टी.बी. नगर में कुछ श्रमिकों से ना सिर्फ उनका हालचाल जाना बल्कि उनके साथ काम भी किया। राहुल गांधी उनके साथ मसाला बनाते हुए और चिनाई करते

■ रायबरेली से सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में मजदूरों के साथ मुलाकात की। गुरुवार को उन्होंने जीटीबी नगर में कुछ श्रमिकों से उनका हालचाल जाना तथा उनके साथ काम भी किया।

हुए दिखे। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैडल से तस्वीरें साझा करते हुए यह जानकारी दी गई।

कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी की तस्वीरों के साथ लिखा, आज नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के जी.टी.बी. नगर में श्रमिकों से मुलाकात कर उनकी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ पैनल की राय में कोचिंग व ट्यूशन सैन्टर की वर्तमान व्यवस्था से शिक्षा का पूर्ण व्यवसायीकरण (टोटल कमर्शियलाइजेशन) हो रहा है तथा पढ़ाना, जो एक पवित्र काम व जिम्मेवारी था, अब एक व्यापार बन गया है।

■ पैनल ने यह राय दी कि, इन कोचिंग इन्स्टीट्यूट व ट्यूशन सैन्टर की, विज्ञापन देकर अपना "माल" बेचने की प्रवृत्ति को रोकना नहीं गया तो गंभीर परिणाम होंगे।

सदस्यीय पैनल की कुल 550 पृष्ठों की यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को इस सप्ताह के आरम्भ में सौंपी गई। रिपोर्ट में पुरजोर अपील की गई है कि व्यक्ति विशेष अथवा कॉर्पोरेट कम्पनियों द्वारा स्कूल और कॉलेजों के समानान्तर भौतिक अथवा वर्चुअल मोड से चल रहे सभी कोचिंग सैन्टर्स पर प्रतिबंध लगाया जाए।

रिपोर्ट में कहा गया कि "कोचिंग सैन्टर्स और प्राइवेट इन्स्टीट्यूशन शिक्षा को एक वस्तु मानकर अपने क्रियाकलापों का विज्ञापन करते हैं जो

विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करना चाहिए किसी भी संस्थान द्वारा औपचारिक शिक्षा को लेकर दिया जाने वाला कोई भी विज्ञापन शिक्षा के व्यवसायीकरण के समान है तथा शिक्षा के दृढ़ एवं समय परीक्षित हित में नहीं है।"

शिक्षा पैनल ने यह सुझाव भी दिया कि तमिल भाषा की स्कूलों शिक्षा में प्रथम भाषा के रूप में आवश्यक रूप से स्थान देना चाहिए और शिक्षा का माध्यम भी तमिल भाषा होनी चाहिए। मसौदा रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि पाठ्यक्रम लक्ष्य आधारित, सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से जवाबदेह, रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी जानकारीयों से परिपूर्ण और संवैधानिक मूल्यों से युक्त होना चाहिए। पैनल ने वाजिब फिटिंग और आरामदेह यूनिफार्म्स, युवतियों की परेशानी रहित आवाजाही, हवादार टॉयलेट सहित महिला अनुकूल इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित करने की भी सिफारिश की है।

प्र.मंत्री की आठ व नौ जून की रूस यात्रा में चीन के लिये मैसेज है

मोदी चीन द्वारा प्रतिपादित शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) का न्यौता ठुकरा कर, क्यों अनायास ही रूस गये?

■ एस.सी.ओ. का गठन किया था चीन ने सैन्ट्रल एशिया क्षेत्र में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिये।

■ पर, फिर धीरे-धीरे चीन एस.सी.ओ. में और सदस्य जोड़ता चला गया और अन्त में बेलारूस को सदस्य बनाना तो हद ही हो गयी थी। क्योंकि, इसके बाद तो लगने लगा था कि, एस.सी.ओ. एक "डिक्टेटर्स क्लब" है तथा चीन के राष्ट्रपति शी ने एस.सी.ओ. के सम्मेलन में साफ कहा कि एस.सी.ओ. के सदस्यों को अमेरिका व पश्चिम देशों द्वारा प्रस्तावित लिबरल प्रजातंत्रीय व्यवस्था के खिलाफ संगठित होना चाहिये।

■ भारत को यह नीति माफिक नहीं आती, और भारत रूस के खिलाफ भी बोला था, यूक्रेन पर रूस द्वारा आक्रमण करने पर। तथा, जब अमेरिका रूस के खिलाफ एक के बाद एक आर्थिक प्रतिबंध लगाता चला गया, भारत ने इस प्रतिबंधों को भी स्वीकार नहीं किया और लगातार रूस से कूड ऑयल सस्ते दामों पर खरीदता रहा। भारत के इस मूक समर्थन से रूस भी अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंध का सामना कर पाया।

बढ़ाना था। बाद में इसमें कई अन्य देशों को शामिल कर चीन ने इस प्लेटफॉर्म को उभरते एवं अन्य देशों के एक वैश्विक मंच में तब्दील करना चाहा।

आतंकवाद के मुकाबले और सीमा सरक्षा और उज्बेकिस्तान को लेकर शुरुआत में चीन, और पाकिस्तान तथा उसके ठीक बाद अन्य

मध्यपूर्व देशों का आमंत्रित किया गया। पिछले वर्ष इस संगठन में ईरान को भी शामिल कर लिया गया।

लेकिन, वैश्विक कूटनीतिक हलकों में जिस बात को लेकर भूकूटियां तर्नी, वह था रूस के कट्टर सहयोगी बेलारूस को इसमें एक पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया जाना। इस अंतिम सदस्य को शामिल किए जाने के साथ ही एस.सी.ओ. वस्तुतः एक "तानाशाह क्लब" में तब्दील हो चुका है, उसके सभी सदस्य अपने-अपने देशों में एक तरह से तानाशाह हैं।

दरअसल, एस.सी.ओ. के दो अग्रणी देश रूस व चीन, इस संगठन को पश्चिमी देशों के संगठन के एक विरोधी संगठन के तौर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं और यह रूस और चीन के संपूर्ण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ पत्र में वकीलों ने रिहाई से एन पहले मु.मंत्री केजरीवाल की जमानत रद्द करने व सीधे तिहाड़ जेल से सी.बी.आई. द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया है।

वाइ चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। पत्र में वकीलों ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर स्टे लगाने वाले जज पर भी सवाल उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकेश अंबानी, सोनिया गांधी से मिलने गये, 10 जनपथ

एक घंटे की मुलाकात में राहुल व प्रियंका भी मौजूद रहे

-रेणु मिश्र-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। मुकेश अंबानी आज 10, जनपथ गए तथा सोनिया गांधी से मिले। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है और देश के राजनीतिक माहौल में परिवर्तन का संकेत हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि एक घंटे की इस मीटिंग में राहुल तथा प्रियंका गांधी भी मौजूद थे।

समझा जाता है कि इस मुलाकात का सुस्पष्ट उद्देश्य गांधी परिवार को अपने पुत्र की शादी में आमन्त्रित करना था। अनंत अंबानी की शादी 12 जुलाई को है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार इससे पूर्व हुई अपने दो बच्चों की शादियों में मुकेश अंबानी ने गांधी परिवार को आमन्त्रित नहीं किया था। एक रोचक बात यह भी है कि इस वर्ष 9 जून को राहुल गांधी के जन्मदिन पर मुकेश अंबानी की तरफ से फूलों का एक बड़ा बूके भी 10, जनपथ पर पहुंचा था।

ज्ञातव्य है कि इससे चंद रोज पहले 4 जून, 2024 लोकसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा हुई थी, जिनमें कांग्रेस की उपलब्धि उम्मीद से बड़ कर

■ हालांकि, इस मुलाकात का कारण मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी की 12 जुलाई को होने वाली शादी का निमंत्रण देना बताया जा रहा है। पर, यह बात गले नहीं उतरती, क्योंकि मुकेश अंबानी की अन्य संतानों की शादी में ऐसा निमंत्रण देने की बात कभी हुई नहीं।

■ यह ही नहीं, नौ जून को राहुल गांधी के जन्म दिन पर, मुकेश अंबानी ने भारी भरकम गुलदस्ता भेजा था।

■ क्या, राहुल के राजनीतिक दृष्टि से बढ़ते भाव से प्रभावित होकर मुकेश उनसे नज़दीकियां बढ़ाने के प्रयास में हैं।

■ पर, इस प्रयास का प्र.मंत्री व मुकेश अंबानी के आत्मिय संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा?

■ साथ ही राहुल गांधी, सदा से अंबानी व अडानी को प्र.मंत्री मोदी के चहेते होकर सरकार से पूरा जायज व नाजायज लाभ लेने का आरोप लगाते रहे हैं। तो क्या अब राहुल गांधी मुकेश अंबानी के बारे में अपने विचार बदल सकेंगे?

रही थी और नरेन्द्र मोदी की भाजपा खिसक कर अल्पमत में आ गई थी। सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र के अति महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव भी शीघ्र ही होने हैं तथा ऐसे प्रबल संकेत हैं

कि शिव सेना, शरद पवार तथा कांग्रेस की महाराष्ट्र विकास अघाड़ी भारी उलटफेर कर सकती है तथा सत्ता में आ सकती है। जाहिर है, मुकेश अंबानी जैसे व्यावहारिक एवं समझदार व्यवसायी के

लिये यह समय अपने तौर-तरीके बदलने तथा समय के बदलाव के अनुरूप चलने का है।

100 सीटों के साथ, विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का ग्राफ ऊपर चढ़ रहा है तथा वे राजनीतिक आकाश पर तेजी से उभर रहे सितारे हैं। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी अडानी और अंबानी पर प्रहार करते आ रहे हैं तथा जोर देते हुए कहते आ रहे हैं कि प्रधानमंत्री किस तरह से इन कॉर्पोरेट्स को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनका व्यावसाय दिनों-दिन फल-फूल रहा है तथा वे मोटा लाभ कमा रहे हैं।

देश में इस समय इस बात पर सर्वसम्मति है कि मोदी का जादू अब उतार पर है तथा राहुल गांधी राजनीतिक सीढ़ी पर चढ़ते जा रहे हैं।

रोचक यह भी होगा कि इस मुलाकात पर नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया क्या रहती है तथा प्रधानमंत्री के साथ मुकेश अंबानी के सम्बन्धों पर इस मुलाकात का क्या प्रभाव पड़ेगा। अडानी नरेन्द्र मोदी के प्रिय रहे हैं तथा उन्हें नबन्कर एक व्यवसायी बनाने के लिये मोदी ने उनपर "आउट ऑफ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आवंटित पार्किंग जगह किसी अन्य को बेचना गलत

जयपुर, 4 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने अपार्टमेंट में फ्लैट के विक्रय पत्र के जरिए चार पहिया वाहन के लिए आवंटित पार्किंग की जगह में से किसी अन्य फ्लैट मालिक को भी पार्किंग के लिए जगह बेचने को गंभीर सेवादोष माना है।

ऐसा करने वाले मैसर्स सोना एनक्लेक्स व निदेशक पर 16.21 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। उपभोक्ता अदालत ने विपक्षी को निर्देश दिया कि वह परिवारी को एक दिसंबर 2016 के जिला उपभोक्ता न्यायालय ने इसे बिल्डर का सेवा दोष माना तथा उस पर 16.21 लाख रु. का हर्जाना लगाया।

विक्रय पत्र के जरिए जो पार्किंग सुविधा मुहैया कराई गई थी वह उसी नाम व पैमाइश में उसे मुहैया कराए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मौणा व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने डॉ. शिव भगवान पाण्डेय व अन्य के परिवाद को मंजूर करते हुए यह निर्देश दिया।

अधिवक्ता बनवारी लाल पारीक ने बताया कि परिवारी ने दिसंबर 20216 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हेमन्त सोरेन द्वारा पुनः मु.मंत्री पद संभालना जोखिम भरा निर्णय है?

हेमन्त की अनुपस्थिति में नियुक्त मु.मंत्री चम्पई सोरेन, पुराने वरिष्ठ नेता हैं तथा शिबू सोरेन के प्रारम्भिक मित्रों में हैं

-श्रीरंज झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 जुलाई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने राज्य में अगले चार माह में होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पूर्व सीनियर नेता चम्पई सोरेन को अपने रास्ते से हटा मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण कर एक सोचा-समझा राजनीतिक जुआ खेला है।

हेमन्त सोरेन ने पांच माह जेल में रहने के बाद आज फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। एक मनी लॉण्डरिंग केस में अपनी गिरफ्तारी से एक दिन पूर्व हेमन्त ने जनवरी माह में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

जे.एम.एम. के संस्थापक शिबू सोरेन के साथ काम कर चुके चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाने के अपने अलग नकारात्मक पक्ष हैं क्योंकि यह घटनाक्रम भाजपा को हेमन्त सोरेन के खिलाफ मुद्दे उपलब्ध करवा रहा है। वह यह प्रचार कर सकती है कि जेल

■ अतः चम्पई सोरेन को हटाकर हेमन्त सोरेन का पुनः मु.मंत्री बनना, हेमन्त सोरेन पर पद लोपुता का "चार्ज" आकर्षित करता है। भाजपा ने यह चार्ज लगाना शुरू कर दिया है।

■ पर, यह भी सच है कि, चम्पई आदिवासी क्षेत्र तक सीमित हैं, जबकि हेमन्त सोरेन की लोकप्रियता ओ.बी.सी., एस.सी. व अन्य वर्गों में भी फैली हुई है। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने भी यह ही दर्शाया, जब इण्डिया गठबंधन ने 13 लोकसभा सीटों में से केवल 5 सीटों पर जीत हासिल की।

■ अगर लोकसभा सीटों के परिणाम को विधानसभाओं की सीटों तक फैलाया जाए तो, भाजपा का पलड़ा भारी दिखता है। अतः हेमन्त सोरेन को पुनः मु.मंत्री बनाना सही राजनीतिक निर्णय लगता है।

■ पर, चम्पई सोरेन को भरपूर सम्मान मिलना भी जरूरी है, अन्यथा आदिवासी क्षेत्रों में इसका उल्टा असर पड़ेगा।

अवधि के दौरान राज्य सरकार का बखूबी संचालन करने वाले चम्पई

सोरेन जैसे सीनियर नेता को मुख्यमंत्री (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 150 वकीलों ने सी.जे.आई. को पत्र लिखा

नई दिल्ली, 4 जुलाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत में हो रही देरी के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट और निचली अदालतों के 150 वकीलों ने चीफ जस्टिस डी

■ पत्र में वकीलों ने रिहाई से एन पहले मु.मंत्री केजरीवाल की जमानत रद्द करने व सीधे तिहाड़ जेल से सी.बी.आई. द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया है।

वाइ चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। पत्र में वकीलों ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर स्टे लगाने वाले जज पर भी सवाल उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूसी का ज़हरीला प्याला आपको तब तक नुकसान नहीं पहुँचा सकता जब तक कि आपके कान उसे अमृत समझ कर पी न जाएँ। -प्रेमचंद

यूएन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस (UNFCCC) काँप-29 बाकू में नवम्बर, 2024 में होगी, वहां भारत की भूमिका क्या होगी?

काँप-29 इस बार बाकू अज़रबैजान में होने जा रही है। इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के बाबत जो चुनौतियाँ हैं, उन पर गहन वार्ता होगी। इस विषय पर चर्चा होगी कि पेरिस एग्रीमेंट की पालना के हेतु सभी सदस्य देशों ने अब तक क्या क्या कदम उठाये और क्या सदस्य देश जलवायु परिवर्तन को 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने पर सफल हुये हैं? क्या सदस्य देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से उत्पन्न होने के खतरे से निपटने के हेतु उचित और वांछित धन इकट्ठा कर सके। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के हेतु उचित और वांछित धन इकट्ठा कर सके। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के हेतु उचित और वांछित धन इकट्ठा कर सके। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के हेतु उचित और वांछित धन इकट्ठा कर सके।

काँप-29 का उद्देश्य है, अधिक Resilient व Equitable विश्व की संरचना करना साथ ही सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति करना है। यूएनएफसीसीसी के एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी, Simon Stiell हैं उनका कहना है कि बाकू पहुँचने से पूर्व सब सदस्य देशों को अपने उद्देश्य की पूर्ति के हेतु उचित कदम उठाने होंगे और समस्या का हल निकालना होगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण निम्नलिखित समस्याएँ हैं:-

- (1) एक मिलियन से ऊपर प्लानेट्स, जानवर व अन्य जीव समाप्त होने की कगार पर हैं।
- (2) 1980 के बाद से Marine Plastic Pollution 10 गुणा अधिक बढ़ गया है।
- (3) प्रत्येक वर्ष में 7 मिलियन टन (Forest) समाप्त हो रहे हैं।
- (4) संसार के नगर 2.2 बिलियन टन कचरा प्रत्येक वर्ष पैदा कर रहे हैं।
- (5) पर्यावरण की अशुद्धता के कारण 9 मिलियन की मृत्यु प्रत्येक वर्ष हो रही है। इसके अतिरिक्त Air Pollution के कारण 7 मिलियन मृत्यु होती हैं।
- (6) 30 प्रतिशत संसार की आबादी लू से प्रभावित हो रही है वह भी 20 दिन एक वर्ष में।
- (7) संसार में कहीं सूखा है, कहीं बाढ़ है तो कहीं अगजनी पर्यावरण के विष से हमारा खाना जहरीला हो रहा है Drug Abuse व Illicit Trafficking की घटनाएँ बहुत बढ़ रही हैं।
- (8) सतत विकास के गोल (लक्ष्य) हमारी पहुँच से बहुत दूर हैं।
- (9) तापमान को 1.5° सेन्टीग्रेड तक रोकना असम्भव है, यह बढ़ रहा है।

संसार बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। संयम हमारा कहीं गुम हो चुका है। समुद्र अपनी सीमार्यें बढ़ा रहा है, टापू देश डूब में आ चुके हैं और आने वाले हैं। पॉल्स का स्नो (बर्फ) पिघल रहा है। पहाड़ों का बर्फ पिघल रहा है। पहाड़ की झीलें अपनी सीमा से अधिक पानी से भर चुकी हैं और कभी भी उनकी सीमार्यें टूट जावेंगी, फलस्वरूप जल-प्लावन आवेगा। सांस लेना कठिन हो रहा है। समय आने वाला है जब बड़े शहर निवास के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जावेंगे। पीने के पानी की समस्या जान लेवा हो जावेंगी। पानी के लिये युद्ध होंगे। खाने के पदार्थ जहरीले हो जावेंगे। नई-नई बीमारियाँ जन्म लेंगी। नये वायरस जीवन को निगलने के लिये नये-नये रूपों में आवेंगे।

देशों को सतत विकास के लक्ष्य पूरे करने थे। पेरिस एग्रीमेंट के अनुसार देश अपने कर्तव्य की पालना नहीं कर रहे हैं। यू एन की रिपोर्ट कहती है अब तक हमें जो कार्य करने थे उसका 1/5 भी हम पूरा नहीं कर पाये हैं। पेरिस एग्रीमेंट के अब केवल 6 वर्ष रह गये हैं। पूर्ति असम्भव है। यू एन की रिपोर्ट कहती है कि सदस्य देश अब तक केवल 17 प्रतिशत सतत विकास के गोल (SDG) ही कर पाये हैं। कोविड-19 पेन्डेमिक ने तथा भौगोलिक आपदाओं के कारण तथा जलवायु परिवर्तन के कारण देश अपने कर्तव्यों की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं।

देश की गरीब जनता का एक भाग गरीबी की रेखा के नीचे जी रहा है। अतिरिक्त 23 मिलियन जनता उन्मत्त और जुड़ रही है। 2022 में 100 मिलियन जनसंख्या Extreme Poverty में जी रही है 1.5°C के बढ़ने साथ गरीबी व भुखमरी बढ़ रही है यू एन सेक्रेटरी जनरल एन्थोनियो गुटेर्रेज ने चेतावनी दी है कि हमें लोगों का जीवन बचाना है। 120 मिलियन वे लोग हैं जिन्हें मई 2024 तक बेदखल किया गया है। दो देशों के झगड़े में अनेक मर चुके हैं। बहुत बड़ी रकम (Finance) की हमें आवश्यकता है। हम सब बर्बादी में डूबे हुये हैं। यू एन की रिपोर्ट की कुछ Findings इस प्रकार हैं:-

- 1) हमारी पर कैपिटल ज़ोडीपी संसार की आधी जनसंख्या की तुलना में काफी कम है।
- 2) 60 प्रतिशत देशों में जलवायु परिवर्तन के कारण खाने की वस्तुओं की कीमतों में 2022 की अपेक्षा काफी बढ़ोत्तरी हुई है।
- 3) 120 देशों से जो डेटा कलेक्ट किया गया है उसे मालूम होता है वहाँ पर महिलाओं के साथ भेदभाव है।
- 4) देशों में शिक्षा का अभाव।
- 5) लगभग 60 प्रतिशत देश जिनकी इन्कम कम है वे कर्जों के बोझ से दबे हुये हैं।
- 6) देशों में 8.1 प्रतिशत बिजली का उत्पादन Renewable Energy से प्रारम्भ कर दिया है।

यह सत्य है कि अधिकांश देशों ने टारगेट का 1/5 स्तर ही प्राप्त किया है और SDGs के लिये जो वायदे किये थे वे पूरे नहीं किये। पेरिस एग्रीमेंट में जो घोषणायें की थीं, उनको कार्यान्वित करने में देश असमर्थ रहे। यह भी सत्य है 1.5 डिग्री टैम्परेचर बढ़ रहा है वह कभी भी 2 डिग्री तक बढ़ सकता है। समुद्र का तापमान बढ़ रहा है, जिसके कारण तूफान उठ रहे हैं। अमेरिका व यूरोप में लू का गम्भीर असर देखा गया है। जंगलों में आग लग रही है। लोग भयभीत हैं। डर के साये में जी रहे हैं। जंगल खत्म हो रहे हैं अतः ऑक्सीजन की कमी है।

प्रश्न है पेरिस एग्रीमेंट की यदि सदस्य देश पालना नहीं कर पाये तो संसार का क्या होगा। हाँ यह सभी मानकर चल रहे हैं कि 1.5° तापमान की बढ़ोत्तरी को शायद हम रोक नहीं पायेंगे। अतः हमारा कर्तव्य है कि हम पेरिस एग्रीमेंट के वायदों को निभाने के लिये अधिक प्रयत्न करें, अभी भी 6 वर्ष का समय शेष है। इस वर्ष लू के कारण जो मृत्यु हुई हैं तथा जिसने यूरोप व अमेरिका में जो संकट पैदा किया है वह घबराहट पैदा करने वाला है।

भारत सरकार ने पेरिस एग्रीमेंट को गम्भीरता से लिया है। कार्बन एमिशन को रोकने के लिये सौर ऊर्जा के उत्पादन में काफी काम किया है; किन्तु प्रोब्लम बहुत बड़ा है। काँप-29 में देश को अपनी रिपोर्ट देना है और गरीब देशों की सहायता के लिये जो फाइनेंस इकट्ठा करना है उसके लिये देशों से सहयोग की अपील करनी है।

पेरिस एग्रीमेंट में यह प्रावधान नहीं है कि यदि कोई सदस्य देश एग्रीमेंट की शरारतों की पालना नहीं करता है तो समाधान के क्या उपाय हैं? लेखक का अपना मत है कि जलवायु परिवर्तन का विषय मानव के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है यानी Human Right का विषय है। अतः यह विषय International Court of Justice में उठाया जा सकता है अथवा International Court of Justice की भाँति International Climate Justice Tribunal की स्थापना के हेतु प्रयत्न करना चाहिये। पहले भी इस हेतु प्रयत्न किया जा चुका है। भारत के एनजीओ काफी सशक्त हैं वे United Nations Climate Change Conference व COP की मॉस्टिस में काफी सक्रिय रह चुके हैं। कुछ संगठनों में वे कमेटी के सदस्य भी मनोनीत (नोमिनेट) किये गये हैं।

एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी, Simon Stiell ने दिनांक 13.06.2024 को अपने सम्बोधन में स्पष्ट कहा है कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के हेतु बहुत प्रयत्न किये हैं, किन्तु वे अपर्याप्त हैं, हमें बाकू में बड़ी तैयारी के साथ पहुँचना है। International Carbon Market के बाबत नये कदम उठाने होंगे। इसी प्रकार Bonn में छोड़े गये विषयों को आगे बढ़ाना है।

भारत अपनी साहसिक भूमिका निभा रहा है और काँप-29 में अपनी छाप छोड़ सकता है। राष्ट्रपति के अधिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुये पी एम मोदी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि दुनियाँ जो ग्लोबल वार्मिंग से लड़ रही है उसे सहयोग व ताकत देवें हमने रिन्यूएबल एनर्जी को लेकर एक के बाद एक कदम उठाये हैं।

काँप-29 की सफलता की कामना करता हूँ। सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द्र जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

कर्म क्षेत्र में प्रवृत्त होना तथा आलस्य को त्याग देना विद्यार्थी जीवन के प्रमुख गुण हैं : राज्यपाल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित

सीकर, (निर्स)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह गुरुवार को राज्यपाल राजस्थान एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कलराज मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कुलाधिपति मिश्र ने 72 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा। साथ ही कला संकाय के 82672, विज्ञान संकाय के 40376, वाणिज्य संकाय के 10578, समाज विज्ञान संकाय के 29785, शिक्षा संकाय के 36448 एवं विधि संकाय के 1713 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

समारोह में राज्यपाल मिश्र ने शेखावाटी यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले 370 कॉलेजों के 202572 स्टूडेंट्स की उपाधि जारी की। इस दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि, आज महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़कर अपना नाम कमा रही हैं जो कि भारत के लिए एक सुखद भविष्य की तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह



राज्यपाल कलराज मिश्र ने 72 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा।

विश्वविद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर स्थापित है जो कि एक महान चिंतक ही नहीं थे बल्कि उन्होंने भारतीय शिक्षा पर भी महती दृष्टि हमें दी है। उन्होंने अपनी पुस्तक राष्ट्र चिंतन में मानवीय संस्कारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने की बात कही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा को समाज की जननी मानते थे। उन्होंने कहा कि कर्म क्षेत्र में प्रवृत्त होना तथा आलस्य को त्याग देना विद्यार्थी जीवन के प्रमुख गुण हैं। उन्होंने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय का कहना था कि शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण

विकास का सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय शेखावाटी क्षेत्र को उस पावन धरा पर बना है जो संदेव त्याग, बलिदान और परोपकार की भावना से परिपूर्ण रही है। शेखावाटी ने भारतीय सेना को सर्वाधिक सैनिक दिए हैं तथा यहां पग-

पग पर शहीदों की गाथाएं गुंजती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी प्रमुख स्थान यहीं के मारवाड़ी सेठों का रहा है। उन्होंने कहा कि भाभाशाही का यह धरती जीवन के उदात्त मूल्यों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत कई पाठ्यक्रमों और डिप्लोमा की पहल हुई है। यह विश्वविद्यालय विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए अनुसंधान क्षेत्र को भी प्राथमिकता दे साथ ही स्थायी संस्कृति, अतीत से जुड़ी वीर गाथाओं, राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में यहां के व्यवसायियों के योगदान आदि विषयों के आलेखों में भविष्य को दिशा प्रदान करने वाले शोध यहां हो। यह दौर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का है हमें शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की दूरी को बांटने की जरूरत है। समारोह में यूनिवर्सिटी के चॉइस चॉसलर प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय, सीकर पुलिस महानिरीक्षक सीकर रंज सत्येंद्र सिंह, जिला कलेक्टर कमर उदद जमान चौधरी, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव, सहित यूनिवर्सिटी का एडमिनिस्ट्रेशन प्रिंसिपल, प्रोफेसर व स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रवेश की उम्र बढ़ाई

बीकानेर, (निर्स)। आंगनबाड़ी केन्द्रों में अब छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जा सकेगा, जबकि पूर्व में पांच वर्ष तक के बच्चों को प्रवेश देने की गाइडलाइन जारी की गई थी। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा स्कूलों में प्रवेश

के लिए पूर्व में जारी की गई गाइडलाइन में संशोधन किया है। संशोधित गाइडलाइन के अनुसार तीन से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को चिन्हित करना है। इसके बाद 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में एवं 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों

को स्कूलों में नामांकित करना है। इसके अलावा विद्यालय के निकटतम आंगनबाड़ी में नामांकित 6 या अधिक वर्ष के बालक-बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन कराया जाएगा। वार्ड वार नियुक्त अध्यापकों की ओर से निर्वाचक नामावली के अनुसार 3

से 6 वर्ष आयु वर्ग एवं 6 से 18 वर्ष तक की आयु वर्ग की सूचना पीइडओ एवं यूसीइओ को देनी होगी। वार्डवार नियुक्त अध्यापक निर्वाचक नामावली एवं हाउस होल्ड के आधार पर सर्वे करेंगे। सर्वे के दौरान बस स्टैंड, निर्माणधीन भवन, गांव के बाहर कोई छोटी बस्ती,

दागी, मजरा, पुरवा, खेत पर रहने वाले परिवार, मौसमी पलायन, प्रवासी मजदूरों के परिवारों को भी शामिल कर उनके बालक-बालिकाओं की सूची बनाई जाएगी। इस सूची के आधार पर नामांकन बढ़ाने के लिए नजदीकी स्कूलों के प्रधानाध्यापक को सूची सौंपी जाएगी।

विद्यालय की अव्यवस्थाओं पर ग्रामीणों ने तालाबंदी की

प्रशासन ने चार शिक्षकों को लापरवाही पर एपीओ किया



ग्रामीणों ने नाराजगी जता कर स्कूल गेट पर ताला लगा दिया।

भीलवाड़ा, (निर्स)। जहाजपुर ग्राम पंचायत भूगुणर के एक विद्यालय में अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने तालाबंदी की। सूचना पर मौके पर नायब तहसीलदार, शिक्षा अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी पहुंचे और शिक्षकों को लापरवाही पर उन्हें एपीओ किया गया। मामला राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम हंसेडा पंचायत भूगुणर का है। ग्रामवासियों द्वारा विद्यालय की अव्यवस्थाओं को लेकर तालाबंदी की

दरज कराई। मौके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश खटीक एवं नायब तहसीलदार बलवीर सिंह एवं स्थानीय थाने से थानाधिकारी मौजूद थे। इन्होंने विद्यालय के स्टॉफ की लापरवाही को देखते विद्यालय के चार शिक्षक पर सराम शर्मा, गोपाल लाल बलाई, रामबाबू स्वर्णकार, बनवारी लाल सोनी को विद्यालय से हटाकर तत्काल प्रभाव से कार्यालय के अन्य विद्यालयों में लगाया है।

ग्रामवासियों ने विद्यालय की अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई

खाद्य सुरक्षा दल ने 540 लीटर सरसों तेल सीज किया

रायपुर में श्री राम ट्रेडर्स से लाल मिर्च और हल्दी पाउडर के नमूने लिये



खाद्य सुरक्षा दल ने सरसों के तेल को सीज करने की कार्रवाई की।

भीलवाड़ा, (निर्स)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल ने गुरुवार को सहाया गंगापुर में मै. अशोक ट्रेडिंग कंपनी पहुँचकर निरीक्षण किया एवं खाद्य सामग्री के नमूने लेने की कार्रवाई की। वहाँ मौके पर सरसों के तेल का निर्माण किया जा रहा था। पंद्रह किलो के टीनों में भरकर सरसों का तेल विक्रय करने के लिए रखा गया था। पंद्रह किलो के टीन पर निर्माण की तिथि, उपयोग की तिथि, बैच नम्बर कुछ भी अंकित नहीं पाया गया। तेल में मिलावट का अंदेश होने पर खाद्य सुरक्षा दल ने 540 किलोग्राम सरसों के तेल को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत नमूने लिए तथा तेल को सीज किया।

खाद्य सुरक्षा दल ने इसके अलावा रायपुर में श्री राम ट्रेडर्स से लाल मिर्च

पंडरह किलो के टीन पर निर्माण की तिथि, उपयोग की तिथि, बैच नम्बर कुछ भी अंकित नहीं मिला

पाउडर और हल्दी पाउडर के नमूने लिये। इन सभी नमूनों की जांच हेतु जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला अजमेर में भिजवाया जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा दल में मानक अधिनियम 2006 के तहत आवश्यक लिथिक कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। खाद्य सुरक्षा दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी और प्रयोगशाला सहायक प्रेमदत्त शर्मा मौजूद रहे।

राशिफल शुक्रवार 5 जुलाई, 2024



पंडित अनिल शर्मा

आषाढ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2081, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 4:06 तक, ध्रुव योग रात्रि 3:48 तक, चतुष्पद करण सायं 6:42 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरु-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज सर्वाथ सिद्धि योग रात्रि 4:06 से सूर्योदय तक है। कुमार योग रात्रि 4:27 से सूर्योदय तक है। आज देवापितृकार्य अमावस्या, आषाढी अमावस्या है। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:24 तक, लाभ-अमृत 7:24 से 10:49 तक, शुभ 12:31 से 2:13 तक, चर 5:38 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्तनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटकता हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। समय-अनर्गल कार्यों में खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संचालित खीत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सुविधाएँ बढ़ेंगी। अटकता हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होंगे। अटकते हुए कार्य बनने लगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय दूर होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक परिस्थितियाँ दूर होने लगेगी। अटकते हुए कार्य बनने लगे।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। शुभ-सुविधाएँ बढ़ेंगी। अतिथियों के आगमन से दिवस अस्त-व्यस्त हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

जयपुर में 2 दिन में करीब 4 इंच बारिश दर्ज



राजधानी जयपुर में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश का दौर चला। अलसुबह से लेकर देर शाम तक कभी तेज तो कभी हल्की बौछारों ने शहर को भिगोया। कलेक्ट्री स्थित कंट्रोल रूम के मुताबिक बुधवार सुबह से लेकर गुरुवार शाम 5 बजे जयपुर शहर में 9.8 मि.मी. (3.85 इंच) बारिश दर्ज की गई। मानसून की इस पहली मूसलाधार बारिश ने सड़कों और ड्रेनेज की पोल खोल कर रख दी है। इसके कारण गुरुवार सुबह तक लोग ट्रैफिक जाम में परेशान होते दिखे। उधर बारिश के कारण जयपुर कलेक्ट्री, कालवाड़ रोड, चौमू पुलिया, टॉक रोड और परकोटे में दिनभर ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। जयपुर ग्रामीण के गांव बरवाड़ा में शाम को आकाशीय बिजली कड़कने का नज़ारा।

‘डेयरी में भ्रष्टाचार व मिलावट की शिकायत पर होगी सख्त कार्रवाई’

जयपुर, (वि.सं.)। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार डेयरी व्यवसाय के माध्यम से किसानों, महिलाओं और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के नेटवर्क का गांव-गांव तक विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डेयरी में भ्रष्टाचार अथवा मिलावट को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री गुरुवार को विधानसभा में राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड के वर्ष 2018-19 से 2021-22 के वार्षिक प्रतिवेदनों पर चर्चा के बाद अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार डेयरी के विकास और पशुपालकों को आर्थिक सशक्त बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य

- विधानसभा में आरसीडीएफ के वार्षिक प्रतिवेदन पर चर्चा
- डेयरी विकास और पशुपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध : मंत्री कुमावत

सरकार पशुपालकों के हित में बीमा योजना का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत सभी पशुओं का बीमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लायी गई बीमा योजना विफल रही। कुमावत ने कहा कि पशु चिकित्सालयों में रिक्त पदों पर जल्दी ही भर्तियां की जाएंगी। साथ ही, न्यायालय में अटकी 900 पशु चिकित्सकों की भर्ती में भी प्रकरण का निस्तारण होने पर शीघ्र नियुक्तियां दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए प्रदेशभर में 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट की शुरुआत की है। इसके लिए शीघ्र ही

एक कॉल सेंटर शुरू किया जाएगा। इस पर कॉल करने पर मोबाइल वेटरनरी यूनिट उपचार के लिए पशुपालक के घर पर पहुंचेगी।

कुमावत ने राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के पिछले वर्षों के टर्न ओवर और शुद्ध लाभ की जानकारी देते हुए बताया कि संघ निरन्तर मुनाफे में चल रहा है। दूध उत्पादन में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि डेयरी के माध्यम से दूध संकलन में गुजरात और कर्नाटक के बाद राजस्थान तीसरे स्थान पर है। मंत्री कुमावत ने कहा कि बेरोजगारी दूर करने,

महिला सशक्तिकरण एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद समितियों का गठन कर 13 हजार से अधिक नये सदस्य जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि सरस डेयरियों के माध्यम से आमजन को दूध व दूध से बने शुद्ध उत्पाद उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री जगू गोपाल योजना के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों के लिए दूध की आपूर्ति की जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध संकलन योजना के तहत दिया जाने वाला 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान अब डीबीटी के माध्यम से सीधे पशुपालक के खाते में हस्तांतरित किया जा रहा है, जिससे इसमें भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं रहे। इस योजना के अंतर्गत 525 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

लैब टेक्नीशियन भर्ती में नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग की लैब टेक्नीशियन भर्ती-2023 में कट ऑफ से ज्यादा अंक देने और अभ्यर्थी को बोनास-अंक नहीं देने के खिलाफ अलग-अलग दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस महेन्द्र गोलवल ने यह आदेश दिते हुए

अशोक कुमार की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। हितेश कुमार की याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने 31 मई 2023 को लैब टेक्नीशियन पद के लिए विज्ञापन जारी कर भर्ती निकाली थी। इसमें याचिकाकर्ता ने टीएसपी कोटे से इस

पद के लिए आवेदन किया और भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया। उसके 42.12 अंक आए, जबकि विभाग की ओर से अंतिम कट ऑफ 41.406 अंक घोषित की गई। इसके बावजूद भी विभाग ने उसे ना तो दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया और ना ही उसे अंतिम तौर पर चयनित किया गया।

दुष्कर्मी को सजा

जयपुर। पाँचको मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने 11 साल की बालिका को टीपी दिलाने के बहाने ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त जितेंद्र को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने एमपी निवासी इस अभियुक्त पर 1.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर उसे जीवन भर ना भूलने वाला घाव दिया है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रख नहीं अपनाया जा सकता।

पहली बार वृहद प्रदेश कार्यसमिति को बैठक 13 को

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की अध्यक्षता में राजस्थान प्रदेश की वृहद कार्यसमिति की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यसमिति बैठक ऐसे अवसर पर हो रही है जब राजस्थान में भाजपा की सरकार है और केन्द्र में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। ऐसे में प्रदेश कार्यसमिति को बैठक को भव्य तथा दिव्य बनाने के लिए पूर्व तैयारियों के संबंध में आज भाजपा पदाधिकारियों के साथ चर्चा की गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति को बैठक 13 जुलाई को सीतापुरा स्थित जेईसीसी के सभागार में आयोजित होगी। प्रदेश में पहली बार ऐसी वृत्त प्रदेश कार्यसमिति का आयोजन होगा जिसमें सभी विधायक जनप्रतिनिधि एवं प्रदेश जिला और मंडल स्तर के

पदाधिकारी शामिल होंगे हालांकि हर बार राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक पहले दिल्ली में आयोजित होती थी। उसके बाद प्रदेश कार्यसमिति का आयोजन और उसके साथ दिन बाद जिला फिर मंडल के कार्यसमितियों का आयोजन किया जाता था लेकिन पहली बार एक साथ पूरे प्रदेश की कार्यसमिति का आयोजन 13 जुलाई को होगा। प्रदेश कार्यसमिति बैठक के सफल संचालन के लिए पार्टी की ओर से अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं, और समितियों का कार्य विभाजन किया गया है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अतिथियों के प्रोटोकॉल, रजिस्ट्रेशन से लेकर हर व्यवस्था सुचारू हो, इसके लिए सभी की जिम्मेदारी तय की गई है।

भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, यहां पदाधिकारी से लेकर कार्यकर्ता तक अनुशासन में रहकर अपने दायित्व को पूरा करने का प्रयास करते हैं।

राजस्थान विधान सभा में पहली बार हुआ लंच ब्रेक

जयपुर, (वि.सं.)। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के द्वितीय सत्र में गुरुवार को लोकसभा की तर्ज पर सत्र की बैठकों के दौरान मध्याह्न भोजन अन्तराल की व्यवस्था दी। देवनानी ने कहा कि लोक सभा की तर्ज पर राजस्थान विधान सभा में भी भोजन अन्तराल का निश्चित समय तय किया गया है। इससे एक ही समय पर सभी विधायक भोजन कर सकेंगे और

उसके बाद पुनः सदन में कार्यवाही में भाग ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि देवनानी ने लंच ब्रेक के बारे में सर्वदलीय बैठक में भी चर्चा की थी। देवनानी के इस प्रस्ताव पर सर्वदलीय बैठक में मौजूद सभी दलों के प्रतिनिधियों ने इसे अच्छी पहल बताते हुए सहमति व्यक्त की थी। गुरुवार को पहली बार सदन की बैठकों के दौरान राजस्थान विधान सभा में मध्याह्न भोजन अंतराल किया गया।

दहेज के लिए पत्नी को “तीन तलाक”

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में दहेज मांग पूरी नहीं करने पर मोबाइल कॉल कर पति द्वारा पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच पड़ताल में सामने आया है कि दहेज की मांग को लेकर ससुराल वाले दुल्हन को विदा कर घर नहीं ले गए थे और दहेज मांग पूरी नहीं करने पर पति ने तीन तलाक दे दिया। इस संबंध में पीडिता के पिता ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि सोडाला निवासी व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि फरवरी 2023 में उसकी बेटी का निकाह दिल्ली निवासी युवक से हुआ था। निकाह से पहले ससुराल वालों से दहेज की डिमांड पछुने पर मना किया था।

उसके बाद पुनः सदन में कार्यवाही में भाग ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि देवनानी ने लंच ब्रेक के बारे में सर्वदलीय बैठक में भी चर्चा की थी। देवनानी के इस प्रस्ताव पर सर्वदलीय बैठक में मौजूद सभी दलों के प्रतिनिधियों ने इसे अच्छी पहल बताते हुए सहमति व्यक्त की थी। गुरुवार को पहली बार सदन की बैठकों के दौरान राजस्थान विधान सभा में मध्याह्न भोजन अंतराल किया गया।

लड़कियों को भगाकर शादी करने वालों के खिलाफ कानून बनाने की मांग उठी

कांग्रेस विधायक पूसाराम गोदारा ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान घर से भागकर शादी करने वालों के लिए नया कानून बनाने का मुद्दा उठाया। रतनगढ़ से कांग्रेस विधायक पूसाराम गोदारा ने शून्यकाल में मामला उठाते हुए कहा कि, “कई युवक-युवतियां घर से भागकर शादी कर लेते हैं, कई बार तो विवाहिता, अपने बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग भाग जाती है। जब लड़के-लड़कियां घर से भागकर शादी करते हैं तो गुप्तशुद्धी रिपोर्ट दर्ज करवाते हैं। पुलिस बरामद करती है तो

लड़की घरवालों को पहचानने से मना कर देती है या उनसे ही खुद को खतरा बताते हुए केस कर देती है। कई मामलों में प्रांणियों में हिस्से को लेकर भी विवाद करती है। जिस व्यक्ति के घर से लड़की भागती है, उसका समाज में रहना मुश्किल हो जाता है। कई परिवारों ने सामाजिक बदनामी से परेशान होकर आत्महत्या तक कर ली है। समाज में यह भारी समस्या बनती जा रही है।”

गोदारा ने कहा कि घर से भागकर शादी करने वालों के लिए एक कानून

राजस्थान को ‘औद्योगिक प्रदेश’ बनाएगी सरकार : कर्नल राठौड़

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को ‘औद्योगिक राज्य’ बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इसके लिए सरकार का संकल्प भी है और स्पष्ट नीति और नीयत भी है।

उन्होंने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए उद्योग बहुत जरूरी होते हैं। जिस देश या राज्य में उद्योग और निवेश आते हैं, वहां अर्थव्यवस्था सुधरती है और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री गुरुवार को विधानसभा में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (रीको) के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-22 पर विचार के दौरान अपना वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने विगत 10 वर्षों में देश में उद्योग और निवेश के रास्ते खोले हैं। उसी का परिणाम है कि आज दुनियाभर के उद्यमी भारत में निवेश करना चाहते हैं। देश को दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में प्रदेश के उद्योगों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। कर्नल राठौड़ ने कहा कि अब हम राजस्थान को औद्योगिक रूप से बदलेंगे।

‘आत्मनिर्भर भारत’ के साथ ‘आत्मनिर्भर राजस्थान’ भी बनेगा। मंत्री राठौड़ ने कहा कि औद्योगिक उन्नति के लिए नीति, नीयत और दृष्टि का होना बहुत जरूरी है। हम राजस्थान को आगे ले जाना चाहते हैं। इसके लिए राज्य सरकार सस्टेनेबल इंडस्ट्रियल ग्रोथ लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि हम वास्तविक विजनेसमैन को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उद्योगों को सुविधा की दृष्टि से प्रदेश में उद्योग के लिए भूमि की लागत कम करने की दिशा में विचार चल रहा है। प्रदेश में

- विधानसभा में रीको के वार्षिक प्रतिवेदन पर चर्चा
- विगत 5 वर्षों में 176 औद्योगिक क्षेत्रों की घोषणा हुई, लेकिन केवल 31 ही अस्तित्व में आ पाए : राठौड़

सौर ऊर्जा की अपार संभावना है। ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर का भी उद्योगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों की सुविधा के लिए ऑनलाइन सेवाएं भी शुरू की गई हैं, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा सभी कार्य मोबाइल के माध्यम से ही हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में छोटे एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अलग से थ्रूवॉश का प्रावधान किया गया है। इसके लिए लॉटरी सिस्टम भी शुरू कर दिया गया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि गत सरकार ने रीको की राशि दूसरी योजनाओं में उपयोग में ली। उन्होंने कहा कि विगत 5 वर्षों में 176 औद्योगिक क्षेत्रों की घोषणा हुई, लेकिन केवल 31 औद्योगिक क्षेत्र ही अस्तित्व में आ पाए। उन्होंने भौगोलिक क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप उद्योगों की स्थापना की जरूरत पर बल दिया। साथ ही, नई तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा आदि के क्षेत्र में निवेश की आवश्यकता भी जाहिर की।

श्री प्रताप फाउंडेशन का दायित्व बोध संवाद कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुवंशिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में जयपुर के संघशक्ति भवन में दायित्व बोध संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पिछले दिनों हुए विधानसभा और लोकसभा चुनावों में विजय प्राप्त करने वाले राजपूत विधायक और सांसद, विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने वाले राजपूत प्रत्याशियों और पूरे प्रदेश से राजनीतिक रूप से सक्रिय समाज बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए।

दायित्व बोध संवाद कार्यक्रम में एक जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारे समाज व राष्ट्र के प्रति क्या दायित्व है इस पर चर्चा हुई। आजकल हर स्थान पर अधिकारों की ही लड़ाई देखी जा सकती है, कोई

दायित्व की चर्चा नहीं करता। हम अगर अपने अपने दायित्व का निर्वाहन करना प्रारंभ दे तो संसार की अधिकतम कठिनाइयों का निवारण हो जाए।

श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक महावीर सिंह सरवाड़ी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। राजनीति में आपस में प्रतिस्पर्धा होती है और आप सभमें भी आगे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धा रहती है। समाज आपसे यह अपेक्षा करता है कि वह प्रतिस्पर्धा स्वस्थ हो, प्रतिस्पर्धा के कारण आप आपस में एक दूसरे को हानि नहीं पहुंचाएँ क्यों कि आप में से किसी की ही हानि समाज की हानि होती है क्योंकि आप सब समाज की संपत्ति हैं। यह स्वाभाविक भी है।

करंट से युवक की मौत

जयपुर। कालवाड़ रोड स्थित सिंधी कॉलोनी में बुधवार को तेज बारिश के दौरान पानी में करंट से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। कांवटिया हाॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतक के परिजनों व लोग मुआवजे की मांग को लेकर इकट्ठा हो गए। बिजली विभाग ने लापरवाही बताकर मृतक के परिवार को मुआवजे दिए जाने की मांग रखी। पुलिस ने आश्वासन देकर इकट्ठा हुए लोगों से समझास कर शांति करवाया।

पुलिस ने बताया कि बारिश के पानी में करंट से नांवा नागौर निवासी ओम प्रकाश कुमावत (35) की मौत हो गई। वह हाथों में परिवार के साथ रहकर निर्माणधीन मकानों में कारीगरी का काम करता था। बुधवार शाम करीब 7 बजे वह बाइक पर अपने साथी रामलाल के

साथ घर लौट रहा था। कालवाड़ रोड पर सिंधी कॉलोनी में रोड पर भरे बारिश के पानी में करंट आ गया। पानी में बाइक उतरकर झटका लगते ही दोनों गिर गए। लोगों ने लड़की से खींचकर रामलाल को बचा लिया, लेकिन करंट लगने से ओमप्रकाश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कांवटिया हाॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया था। मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने को लेकर परिजन, रिश्तेदार और कॉलोनी के लोग इकट्ठा होकर कांवटिया हाॉस्पिटल पहुंचे। हाॉस्पिटल में इकट्ठा हुए लोगों ने मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए की मुआवजे की मांग रखी। शांति से प्रदर्शन कर रहे परिजनों का कहना था कि बिजली विभाग की लापरवाही से ओमप्रकाश की मौत हुई है।

राजस्थान के सरपंच एक बार फिर आंदोलन की राह पर

जयपुर, (का.सं.)। सरपंच संघ राजस्थान की महत्वपूर्ण मीटिंग राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंसीधर गढ़वाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई सरपंच के मुख्य प्रवक्ता रफीक पठान ने बताया कि मीटिंग में प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं राजस्थान के सभी जिलों से जिला



सरपंच संघ राजस्थान की महत्वपूर्ण मीटिंग राजस्थान सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंसीधर गढ़वाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

- मांगों नहीं मानी गई तो 18 जुलाई को विधानसभा के घेराव की चेतावनी

अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष एवं सरपंचों ने भाग लिया एवं सभी ने अपने-अपने विचार रखें 2 घंटे विचार विमर्श करने के बाद सरपंच संघ की कार्यकारिणी द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर सरकार एवं उच्च अधिकारियों से बार-बार मिलने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं पाया, राज्य वित्त आयोग एवं केंद्रीय वित्त आयोग नरेगा सामग्री का भुगतान समय पर नहीं हो रहा है। यह करीबन 2 साल का बकाया चल रहा है। खाद्य सुरक्षा का पोर्टल लंबे समय से बंद है और यह 2011 के आंकड़ों के अनुसार चल रहा है। इसमें पोर्टल को खोलकर नए पात्र परिवारों को जोड़ने की मांग को लेकर काफी प्रयास किया जा चुके हैं लेकिन आम जनता को राहत नहीं दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृतियां 2021 के बाद जारी नहीं हुई हैं। ऐसे लाखों पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास के इंतजार में बैठे हुए हैं। ऐसे में पात्र परिवारों को शीघ्र प्रधानमंत्री आवास दिया जाए वह पोर्टल खोलकर वंचित परिवारों को जोड़ा जाए। इसी प्रकार की अन्य मांगों को लेकर करीबन 14 मांगों का मांग पत्र तैयार किया गया एवं राजस्थान का ज्ञान पर सचिवालय में मुख्य सचिव सुधांशु पंत को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। इसके अलावा अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण

विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार, पंचायत राज सचिव रवि जैन, ग्रामीण विकास सचिव आशुतोष ए.टी. अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग अखिल अरोड़ा, नरेगा आयुक्त टीना डाबी सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करके पुणे सरपंचों की समस्याओं से अवगत कराया साथ ही चेतावनी दी कि अगर समय रहते सरपंचों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 8 जुलाई सोमवार को राजस्थान की सम सेंट ग्राम पंचायत में 1 दिन की सकेतिक तालाबंदी की जाएगी, इसके बाद 10 जुलाई को पंचायत समिति स्तर पर धरना व ज्ञापन दिया जाएगा तथा 12 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इसके बाद भी मांगें नहीं मानी जाती है तो 18 जुलाई को राजस्थान के सभी सरपंच जयपुर में इकट्ठा होकर विधानसभा का घेराव करेगे बैठक में

विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार, पंचायत राज सचिव रवि जैन, ग्रामीण विकास सचिव आशुतोष ए.टी. अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग अखिल अरोड़ा, नरेगा आयुक्त टीना डाबी सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करके पुणे सरपंचों की समस्याओं से अवगत कराया साथ ही चेतावनी दी कि अगर समय रहते सरपंचों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 8 जुलाई सोमवार को राजस्थान की सम सेंट ग्राम पंचायत में 1 दिन की सकेतिक तालाबंदी की जाएगी, इसके बाद 10 जुलाई को पंचायत समिति स्तर पर धरना व ज्ञापन दिया जाएगा तथा 12 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इसके बाद भी मांगें नहीं मानी जाती है तो 18 जुलाई को राजस्थान के सभी सरपंच जयपुर में इकट्ठा होकर विधानसभा का घेराव करेगे बैठक में

जल उपयोग पर सेमिनार आज

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में जल संरक्षण व हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैयालाल द्वारा जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे पौधारोपण किया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग में लगभग 500 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए जाएंगे साथ ही विभाग के राजस्थान भर के संस्थानों एवं कार्यालयों में एक लाख पौधे लगाने के अभियान के तहत पौधारोपण की शुरुआत की जाएगी।

अविनाश गहलोत ने राहुल गांधी को “मंदबुद्धि बालक” बताया

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों द्वारा सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता में लड़की राहुल गांधी को जमीनी धरातल की जानकारी नहीं है।

एक तरफ तो कहते हैं, डरो मत और दूसरी तरफ ये कांग्रेसी सदन से उदरक भाग रहे हैं। आप सदन में चर्चा में भाग लीजिए। आपके “मंदबुद्धि बालक” राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बदनाम किया है। हिंदू समाज को हिंसक कहकर अपमान किया है। उन्हें हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए। उनमें हिम्मत है

तो सदन में बहस कीजिए कि हिंदू हिंसक है। राहुल गांधी को जमीनी धरातल की जानकारी नहीं है। अविनाश गहलोत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब कांग्रेसी विधायक वॉक आउट कर रहे थे, हालांकि उनकी बात पर कुछ विधायकों ने नाराजगी जताई।

चेन तोड़ी

जयपुर। मालपुरा गेट इलाके में स्कूटी सुवार चार बंदमश पैदल चल रहे एक युवक के गले से सोने की चेन तोड़ कर फरार हो गए। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी भी कराई, लेकिन चेन स्नेचरों का कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि पीडित भगवान सत्यवंत निवासी सांगाने ने मामला दर्ज करवाया है कि वह बुधवार सुबह पैदल घर के बारह वृद्ध रहा था। इस दौरान पारदिया अस्पताल स्टेडियम के पास से स्कूटी सवार चार लडके आए और अचानक उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गए।

सार-समाचार

प्रवेशोत्सव की जानकारी दी



बांसवाड़ा, (निर्स)। राउमावि खुंटा लालू पारगी में गुरुवार को कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन आनंदपुरी के नेतृत्व में ग्राम स्वराज, सक्षम एवं बाल स्वराज समूह के सदस्यों तथा स्कूल के बालक-बालिकाओं और गांव से अन्य समुदाय ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम व जागरूकता रैली निकाली। संस्था के मानसिंह निनामा ने कहा कि समाज के हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा द्वारा समग्र विकास संभव है और समाज को एकजुट होकर आने वाली पीढ़ी की शिक्षा के लिए क्षेत्र में जागरूकता के स्तर में वृद्धि करनी चाहिए। संस्था प्रधान नवनीत पटेल ने गांव के सभी बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों से आग्रह करते हुए 6 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके बच्चों तथा वंचित बच्चों को 15 तारीख के पहले स्कूल आकर नामांकन सम्बंधित जानकारी दी। शिक्षिका मीना देवी ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने से ही व्यक्ति एक अच्छा नागरिक बनकर समाज के उत्थान में भागीदारी निभाता है। संगठन लीड प्रभारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में गोविंद, शांतिलाल, विजयपाल, शारदा, मीना, एसएमसी सदस्य कुशाल सिंह, दिनेश कटार, स्थानीय सामुदायिक सहजकर्ता नाथूलाल आदि मौजूद रहे। संचालन प्रकाश बरजोडे ने किया जबकि आभार कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन सदस्य मोहन ने माना।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

देवगढ़, (निर्स)। भारत विरोधी विदेशी षड्यंत्र में लिप्त प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं को निशाना बनाने हुए गैर संवैधानिक अपमानजनक बयान पर कार्यवाही करते हुए अयोग्य सांसद घोषित कर संसद सदस्यता समाप्त करने के संदर्भ में गुरुवार को समस्त हिंदू समाज देवगढ़ ने मारु दरवाजा के बाहर पुतला जलाकर कर देवगढ़ उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार खेदर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद में भारत विरोधी विदेशी षड्यंत्र में लिप्त प्रतिपक्ष कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं को निशाना बनाकर अपनी पार्टी और उसके विचारधारा को दर्शाते हुए हिंदू विरोधी बयान दिया। (हिंदू जो अपने आप को हिंदू कहते हैं वह सिर्फ हिंसा हिंसा हिंसा) शब्द का प्रयोग किया जिससे समस्त हिंदू समाज की भावनाओं को आहत पहुंचेगी। यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है हिंदू भारत का मूल समाज, भारत की आत्मा है हिंदू, सहिष्णुता उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है, हिंदू कोई जाती सूचक या संप्रदाय सूचक शब्द नहीं है मत और पंथ से अलग भारत के मूल आत्मा है यह बात स्वयं को एक्सोडेंटल हिंदू कहने वाले जमात के शहजादे को कैसे समझ नहीं आ सकता। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी ने हिंदुओं पर ज्योति पनिया की है वह सत्य से परे भारत की मूल आत्मा को लहलुहान करने जैसी है। भारत माता को लुह लोहान करने के लिए इस प्रकार के आज अपरिपक्व व्यक्ति को संसद में रहने का कोई अधिकार नहीं है। साधु संतों के मार्गदर्शन में समस्त हिंदू समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह मांग करते हैं कि राहुल गांधी को अयोग्य सांसद घोषित कर संसद सदस्यता समाप्त की जाए।

प्रगति के संबंध में विचार विमर्श

देवगढ़, (निर्स)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय देवगढ़ की सत्र 2024-25 की प्रथम बैठक गुरुवार को उपखंड अधिकारी देवाकासजीव खेदर एवं नामित अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्राचार्य विजयेंद्र नागदा ने बताया कि इस बैठक में सत्र 2023-24 में किए गए कार्यों एवं सत्र 2024-25 में प्रस्तावित कार्य एवं योजनाओं की रूपरेखा प्रबंधन समिति के सामने अनुमोदन हेतु रखी गई विद्यालय की प्रगति के संबंध में विचार विमर्श किया गया साथ ही आगामी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति से प्राप्त सुझावों पर अमल करने का निर्णय लिया गया समिति के सभी उपस्थित सदस्यों ने विद्यालय के परीक्षा परिणाम एवं प्रगति को उत्साहवर्धक बताया एवं विद्यालय विकास में इसी तरह निरंतर कार्य करने हेतु दिशा निर्देश प्रदान किये इसके बाद विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों द्वारा विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया भाग लिया कार्यक्रम का संचालन पूसा लाल खटीक द्वारा किया गया।

कार पर पथराव, बालिका गंभीर घायल

डुंगरपुर, (निर्स)। जिले में कई दिनों से पथरावबाजी की घटनाओं पर लगा अकुंश मानों अब फिर सक्रिय हो चुका है जो कि पुलिस को लचर गश्त व्यवस्था की पोल खोल रहा है। जिस कारण बुधवार देर शाम आसपुर मार्ग के दोवडा के निकट एक कार पर हुए पथराव में कार सवार एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसका अहमदाबाद के एक निजी चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लीलवासा निवासी हर्षित पंचाल अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर डुंगरपुर से अपने निवास जा रहा था। देर शाम को दोवडा के निकट पहुंचते पर कार पर अज्ञात लोगों द्वारा पथराव करने से कार में सवार हर्षित की पुत्री माही पंचाल के सिर में गंभीर चोटें पहुंची जिसे तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात ले जाया गया। जहां उसका इलाज जारी है।

दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जल्द

राजसमंद, (निर्स)। जिले के नाथद्वारा तहसील के रेलमंगरा गांव में अवैध खनन परिवहन के लिए उपयोग में लाई जा रही दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जल्द की गई। एम ई ललित बाबरा ने बताया कि यह कारवाई राजसमंद डिवीजन-2 की खान विभाग टीम और रेलमंगरा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई। टीम ने अवैध रूप से खनिज बजरी का परिवहन कर रहे वाहनों को पकड़ा और उन्हें रेलमंगरा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। इस कारवाई का उद्देश्य अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाना और पर्यावरण को हो रहे नुकसान को रोकना है। इस मामले में आगे की जांच जारी है और खान विभाग तथा पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे अन्य मामलों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर जताया आक्रोश, सीएम को भेजा ज्ञापन

बांसवाड़ा, (निर्स)। अखिल राजस्थान अनुसूचित जाति व जनजाति छात्रसंघ जिला शाखा ने लंबे समय से छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर आक्रोश जताते हुए रैली निकालकर तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

तहसील छोटी सरवन में संभागीय

■ एस.सी.-एस.टी. छात्रसंघ ने छात्रवृत्ति की मांग को लेकर निकाली रैली

अध्यक्ष मनोहर खडिया एवं जिला अध्यक्ष कान्तिनाम निनामा के नेतृत्व में छात्रसंघ पदाधिकारी हनुमान मंदिर एकत्रित हुए जहां से रैली के रूप में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे एवं तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया गया कि लंबे समय से छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति जमा नहीं होने से छात्र परेशान है।



छात्रवृत्ति की मांग को लेकर आवाज बुलंद करता अखिल राजस्थान अनुसूचित जाति व जनजाति छात्रसंघ।

संभागीय अध्यक्ष मनोहर ने बताया कि आदिवासियों एवं मजदूरी करने वाले गरीबों के बच्चों को तीन-तीन वर्ष तक छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किया जा रहा है ऐसे में किस स्थिति में छात्र अपना करिया भर पायेंगे एवं कॉलेज की फीस जमा कर सकेंगे। जिलाध्यक्ष कान्तिनाम

जेके टायर फैक्ट्री का मैन गेट बंद करने के विरोध में रैली निकाली

राजसमंद, (निर्स)। जेके टायर फैक्ट्री का मैन गेट गुरुवार को सुबह की शिफ्ट के दौरान बंद कर दिए जाने से श्रमिक काम करने के लिए अंदर नहीं जा सके। इसको लेकर जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक ने फैक्ट्री में काम शुरू करवाने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली और कलकट्टे पर प्रदर्शन करने के बाद कलकट्टे और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित इंटक कार्यालय पर धरने पर बैठ गए।

जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक के अध्यक्ष व नगर परिषद उपसभापति चुन्नीलाल पंचोली ने बताया

■ कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर की फैक्ट्री में काम शुरू करवाने की मांग

कि जेके टायर फैक्ट्री मैन गेट पर गुरुवार को प्रातः साढ़े पांच बजे कुछ स्वार्थी मजदूरों और असायाजिक तत्वों ने भामस के साथ मिलकर राज्य सरकार के दम पर मैन गेट को रोककर कारखाने को बंद कर दिया है। इसके कारण प्रातः की शिफ्ट से ही मजदूर काम पर नहीं जा पाए। इसके विरोध में इंटक की ओर से रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित कार्यालय पर बैठक कर रोष जताया गया। इसके बाद प्रातः के समय ही



गेट के बाहर धरने पर बैठे श्रमिक।

विरोध रैली निकाली गई। रैली रेलवे स्टेशन से जेके सर्कल, जेके मोड, चौपाटी, पुराना बस स्टैंड व जलचक्की से होकर कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां, नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद कलेक्टर भंवरलाल व पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर फैक्ट्री में नियमित रूप से काम शुरू करवाने और असायाजिक तत्वों पर कार्यवाही करने की मांग की गई। इसके बाद वापस इंटक कार्यालय पहुंचकर

सभी श्रमिक धरने पर बैठ गए। इस दौरान जिलाध्यक्ष शंकरलाल चौधरी, महामंत्री दिनेशसिंह झाला, पुनाराम चौधरी, रतन गाडरी, कुलदीप सिंह, गोवर्धनलाल कुमावत, देवीसिंह राठौड़, नाहरसिंह राव, लक्ष्मीलाल पालीवाल, लालसिंह चौहान, नारायण सिंह झाला, महेश उपाध्याय, गणेश गुर्जर, रामेश्वर पुरी, दिनेश छापरवाल व रमेश कुमावत एवं सैकड़ों की संख्या में श्रमिक मौजूद थे। इंटक के पास एक हजार श्रमिक जेके

टायर एम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष चुन्नीलाल पंचोली ने बताया कि फैक्ट्री में करीब एक हजार श्रमिक इंटक से जुड़े हैं, जबकि भामस के साथ सिर्फ 781 मजदूर ही हैं। उन्होंने बताया कि सदस्यता को लेकर प्रति माह प्रति मजदूर से दस रुपए का शुल्क लिया जाता है, जिसके अनुसार जून माह का 11110 रुपए का चेक इंटक को प्रदान किया गया है, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि इंटक के पास ज्यादा श्रमिक हैं।

पौधारोपण कल

बांसवाड़ा, (निर्स)। जनसंस्थापक डॉ रथामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर 6 जुलाई को भाजपा जिले के सभी मंडलों के शक्ति केंद्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पौधारोपण करेगी। जिलाध्यक्ष लामकंद पटेल, कार्यक्रम संयोजक मुकेश शर्मा, सहसंयोजक गायत्री शर्मा व महेंद्र पाटीदार ने बताया कि कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी, बुधवार शाम तक रीता पडा हुआ था।

गुरुवार प्रातः ग्रामीण क्षेत्रों में हुई

बारिश के बाद छलक गया। तथा उसके

पेटे में पड़ी सारी गंदगी बहकर निकल

देवल में साढ़े तीन इंच बारिश

डुंगरपुर, (निर्स)। पिछले कुछ दिनों से जिला मुख्यालय को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बारिश का दौर जारी है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों, एनिकटो व बांधों में पानी की आवक का दौर शुरू हो गया है। इसी के तहत जिला मुख्यालय के दो नदी एनिकटो पर जो कि प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया है लेकिन इसी भी अपडेट प्राप्त नहीं हो पाया। जिला मुख्यालय नही है जिसके कारण हादसों का अंदेशा बना

गई। इधर रेलवे प्रशासन द्वारा ओवरब्रिजों के तहत बनाये गये पुलों में पानी निकासी के अभाव के चलते हल्की बारिश में तरपताल बन जाते हैं। और बिछोयावा रेलवे ब्रिज तो आज बड़े हादसे को अंजाम दे देता। जहां तीन स्कूली बच्चों को डूबने से बचा लिया गया। इससे पूर्व भी रेलवे प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया है लेकिन इसी भी अपडेट प्राप्त नहीं हो पाया। जिला मुख्यालय नही है जिसके कारण हादसों का अंदेशा बना

रहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार गुरुवार प्रातः समाप्त हुई 24 घण्टी में सर्वाधिक वर्षा देवल में 90 मिमी रिकॉर्ड की गई है। जब कि कनवा 50, सांगमाडा 20, साबला 11, गामडी 9, निटाऊवा 4 तथा डुंगरपुर में 2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। जिला मुख्यालय पर भी 11110 रुपए का चेक इंटक को प्रदान किया गया है, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि इंटक के पास ज्यादा श्रमिक हैं।

सांवलिया सेठ के भंडार से निकले सात करोड़ 70 लाख रुपए

मंडफिया। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार सतुर्दशी गुरुवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरूलाल गुर्जर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी राकेश कुमार की उपस्थिति में खोला गया। प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 07 करोड़ 70 लाख 41 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए।

■ अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल का भंडार से भी 2 लाख 68 हजार 70 रुपए प्राप्त हुए

उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई। भंडार गिनती में भादसोडा नायब तहसीलदार घनश्याम जखवाल, कपासन प्रधान एवं मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल जाट, संजय कुमार मंडोवरा, अशोक शर्मा, भेरूलाल



भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर एवं पदाधिकारी।

सोनी, भादसोडा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, ममलेश शर्मा, श्रीलाल पाटीदार, कांग्रेस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राधव शर्मा, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, जितेंद्र त्रिपाठी सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे। इसी प्रकार समीपवर्ती नरबदिया

गांव स्थित अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल का भंडार भी खोला गया। अमरा भगत सेवा संस्थान के सचिव भेरूलाल गाडरी भूतखेडा ने बताया कि खोले गए भंडार से 2 लाख 68 हजार 70 रुपए नगद प्राप्त हुए। संस्थान के सचिव गाडरी ने बताया कि भंडार गिनती में संस्थान के अध्यक्ष कालूराम गाडरी सोहन खेडा, गोपीलाल गाडरी चेना खेडा, सदस्य प्रभु लाल,

टोडराम, भेरूलाल, कालूलाल, कैलाश मावरा, छोगालाल सुरपुर, रतनलाल मंडफिया, भेरूलाल फलवा, भगवान लाल, शंकर लाल, सोहनलाल, कन्हैयालाल, सीताराम नरबदिया, किशन, भेरूलाल फलवा, रतनलाल, विकास उंखलिया, श्रीलाल झंगला, घनश्याम महडिया, सरपंच बाबूलाल सहित पदाधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

राहुल गांधी का पुतला दहन

डुंगरपुर, (निर्स)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी की ओर से हिन्दू समाज को हिंसक कहने पर गुरुवार को शहर में हिन्दू समाज के लोगों ने विरोध में एकत्रित होकर राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में कलेक्ट्री के बाहर जमकर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस सांसद एवं प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी का पुतला जलाया। सर्व हिन्दू समाज, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल तथा भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता दोपहर को लक्ष्मण मैदान के निकट एकत्र हुए। इसके बाद सभी लोग वाहन रैली के माध्यम से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्री पहुंचे। कलेक्ट्री के गेट के बाहर राहुल गांधी के पुतले के साथ जमकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्री के बाहर आयोजित सभा को विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष सज्जनसिंह भाट्टी, पूर्व सांसद कनकलम कटार, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश पाटीदार ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी की ओर से समूचे हिन्दू समाज को अपमानित किए जाने का कार्य किया है। सभा के बाद कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

शिक्षा मंत्री प्रधान को इस्तीफा देने व एनटीए को खत्म करने की मांग

डुंगरपुर, (निर्स)। राजस्थान स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिला सह सचिव आशा कलासुआ ने बताया कि एसएफआई के राष्ट्रीय स्तरीय आह्वान पर एसएफआई राजस्थान की जिला इकाई डुंगरपुर ने एसबीपी महाविद्यालय के कैम्पस के बाहर प्रदर्शन कर एनटीए के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। एसएफआई ने सांकेतिक रूप से प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मप्रदान को इस्तीफा देने व एनटीए को खत्म करने की मांग की है। एसएफआई के जिलाध्यक्ष फाल्गुन भारडा ने कहा कि भारत के छात्र एनटीए तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा आयोजित करने में की गई गोर गैरजिम्मेदारी के कारण गहरे संकट तथा रोष में हैं। जैसा कि एनईईटी परीक्षा में पेपर लीक, सीयूईटी परीक्षा में विसंगतियां तथा यूजीसी नेट 2.24 परीक्षा की सत्यनिष्ठा के साथ वर्तमान समझौते से स्पष्ट है। इससे देश भर के लाखों छात्रों को जीव तथा कैरियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। बीजेपी सरकार के राज में छत से लेकर पेपर तक सब लीक हुआ है।

सार-समाचार

कपड़े की थैलियां बांटी



डुंगरपुर, (निर्स)। एमएम्बीयू डुंगरपुर की ओर से कौमी एकता के प्रतीक हजरत किबला मस्तान शाह बाबा कि याद में वृक्षारोपण कार्यक्रम परिवहन विभाग कार्यालय डुंगरपुर में जिला परिवहन अधिकारी अनिल माथुर,अभिषेक जोशी, किशन तेली, विनयसिंह, नागेन्द्र रोत, संदीप सेठिया व युप सदर नूर मोहम्मद मकरानी के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिवहन विभाग कार्यालय परिसर में 60-60 पौधे लगाए गए। जिला परिवहन अधिकारी अनिल माथुर ने वहां मौजूद सभी स्टाफ को पौधों की समय-समय पर देखरेख करने के लिए पौधों को पानी पिलाने का जिम्मा दिया। युप सदर मकरानी ने बताया कि रूय मस्तान बाबा की याद में प्रति वर्ष वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित करता है एवं रूय उन्ही जगहों पर पौधे लगाता है जहां पर इनको संरक्षण दिया जाता है। युप की ओर से जिला परिवहन अधिकारी अनिल माथुर का सम्मान किया एवं वहां मौजूद सभी स्टाफ को कपड़े की थैलियां का वितरण कर प्लास्टिक की थैलियों को उपयोग में नहीं लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रवीण कलाल, हिमांशु राजसिंह चौहान, भारत मीणा, रफीक मोहम्मद, दिनकर श्रीमाल, दीपक तंबोली, लक्ष्मणसिंह, अरविंद सिंह, मुस्तफा सानु, कमलेश साथ, विशाल पहाड अमित आहारी आदि मौजूद थे। जिला परिवहन अधिकारी अनिल माथुर ने एमबीयू युप जन्हित के कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि युप पर्यावरण के संरक्षण को लेकर वृक्षारोपण और कपड़े की थैलियों का निःशुल्क वितरण कर काफी सराहनीय कार्य कर रहा है और युप हमेशा मस्तान बाबा की याद में जन्हित के कार्यों में आगे रहता है।

पूर्व राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

डुंगरपुर, (निर्स)। अखिल राजस्थान कृषक मित्र डुंगरपुर के जिला मंत्री बंशीलाल खराडी ने बताया कि राजस्थान कृषक मित्र संघ जिला कमिटी ने पूर्व राज्यमंत्री सुशील कटार को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा और बताया कि कृषि विभाग राजस्थान के अधीन कार्यरत कृषक मित्र कार्यक्रम है और इन्हें केवल मात्र 1000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है कि कृषक मित्र को वर्ष 2011 से कृषि विभाग कृषक मित्र को कृषि विभाग द्वारा पूरी सेवाएं दी जा रही है कि डुंगरपुर जिले में 377 कृषक मित्रों ने मांग की है कि सरकार के निर्देशानुसार ग्राम सभा में अनुमोदित कर कृषक मित्रों को लागूया गया है आत्मा परियोजना जयपुर के निर्देश अनुसार सरकार के कार्य करवाए जाते हैं लेकिन इन्हें न ही कर्मचारी का दर्जा मिला है न ही मांग के अनुसार वेतन मिलता है कृषक मित्र मांगो को लेकर कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन लगातार इनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है, कृषक मित्र को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिलाने, जब तक कर्मचारी को दर्जा ना मिले कृषक मित्र का मानदेय प्रतिमाह 26000 देने, कृषक मित्रों से सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लेने, बीमा प्रोविडेंट फंड ग्रैच्युटी चिकित्सा सुविधा पेशना का लाभ दिलाने, कृषक मित्रों को बैंक भत्ता यात्रा भत्ते का लाभ दिलाने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल घनश्याम, हीरालाल, खेमराज, भुरेलाल, बाबूलाल, रामलाल भगोरा, वेलचंद, कान्तिनाल, वजू नागत आदि कई कृषक मित्र मौजूद रहे।

गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण

बांसवाड़ा, (निर्स)। क्षेत्र के चिकित्सा संस्थाओं व आंगनबाडी केंद्रों पर गुरुवार को मातृ शिशु स्वास्थ्य और पोषण दिवस समसोचएन डे का आयोजन कर गर्भवती महिलाओं व छोटे बच्चों के टीकाकरण किया गया। जिले के आंगनबाडी केंद्र में आयोजित पोषण दिवस का चिकित्साधिकारियों ने निरीक्षण किया। एएनएम व आशा की ओर से यहां आई गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण किया गया तथा गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, प्रसव पूर्व जांच, परामर्श, आयरन फॉलिक एसिड व कैल्शियम दवा का वितरण किया गया। निरीक्षण के दौरान वैकसीन केरियर व आवश्यक दवाइयां देखी तथा आवश्यक उपकरण, पूर्ण दवाइयां रखने, गर्भवती महिलाओं का वजन, ऊंचाई का नाप लेने, जांच करने के निर्देश दिए। सभी आशाओं व एएनएम को 12 सप्ताह पूर्व एएनसी जांच, संस्थागत प्रसव, डीयू सूची के अनुसार टीकाकरण को लेकर निर्देशित भी किया। इस दौरान मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए हर रविवार सुखा दिवस मनाने की अपील की। इस दिन घरों में सफाई हो और जहां-जहां पानी का उठराव रहता है, वहां पर सफाई करने की अपील की।

एस.डी.एम. ने सुनी समस्याएं

राजसमंद, (निर्स)। माह के प्रथम गुरुवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन राजसमंद उपखण्ड क्षेत्र की समस्त 33 ग्राम पंचायतों में किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन ग्राम पंचायत प्रभारी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर एसडीएम अर्चना बुगालिया ने ग्राम पंचायत पीपरडा एवं बडारडा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न जनसमस्याओं को सुना गया और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के बाद उपखण्ड में चल रहे सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का निरीक्षण एवं पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान सरपंच पीपरडा, पटवारी दिलीप सिंहचंड, ग्राम विकास अधिकारी लालसिंह झाला सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। पौधारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और हरित क्षेत्र का विस्तार करना है। इस अवसर पर एसडीएम बुगालिया ने सभी ग्रामवासियों से अपील की कि वे वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करें और पौधों की देखभाल कर उन्हें संरक्षण प्रदान करें। पर्यावरण के प्रति सजगता और जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास हरियाली को बढ़ावा दें।

एस.सी.-एस.टी. छात्रसंघ ने छात्रवृत्ति की मांग को लेकर निकाली रैली

अध्यक्ष मनोहर खडिया एवं जिला अध्यक्ष कान्तिनाम निनामा के नेतृत्व में छात्रसंघ पदाधिकारी हनुमान मंदिर एकत्रित हुए जहां से रैली के रूप में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे एवं तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया गया कि लंबे समय से छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति जमा नहीं होने से छात्र परेशान है।

निरंतर विसंगतियों की गंभीरता को देखते हुए हम मांग करते हैं कि एनटीए प्रणाली को समाप्त किया जाए तथा हाल ही में नेट-नोट परीक्षा देने वाले सभी छात्रों को मुआवजा प्रदान किया जाए। पीएचडी प्रवेश के लिए अनिवार्य स्कोर की हाल ही में अपनाई गई प्रणाली को वापस लिया जाना चाहिए तथा मौजूदा प्रवेश प्रक्रियाओं को केंद्रीकृत करने परीक्षाओं से बदलने के सभी प्रयास, जिससे देश में प्रवेश माफियाओं को बढ़ावा मिल रहा है। वापस लिए जाने चाहिए साथ ही मांग की है कि

विश्वविद्यालयों में छात्रों का लगातार उत्पीड़न और अभिव्यक्ति को स्वतंत्रता और लोकतंत्र का दमन दे दिया जाए। इन मांगों के साथ देश में उच्च शिक्षा प्रणाली की समस्याओं को संबोधित किया जाना चाहिए। स्कूली शिक्षा में भी सुधार किया जाना चाहिए और सरकार को देश भर में स्कूलों को बंद करना बंद करना चाहिए। वर्षों से, देश भर के लाखों छात्रों ने इस बात पर चिंता जताई है कि कैसे सीयूईटी-एनईईटी जैसी केंद्रीकृत परीक्षाओं ने शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा दिया है, कोचिंग सेंटर्स की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसने शिक्षा को हाशिए पर रहने वाले छात्रों के लिए दुर्गम और अप्राप्य बना दिया है। एक राष्ट्र, एक परीक्षा की आड में पूरी परीक्षा प्रणाली ध्वस्त हो गई है और छात्रों का शैक्षणिक भविष्य अनिश्चित करने के लिए खतरे में पड़ गया है। मांगों को लेकर एसएफआई ने देश भर में प्रदर्शन किया है। इस मौके एसएफआई के शांतिलाल तोषियाड, जशोदा भावना, चिंकू, लोकेश कुमार, विपिन, हिमांशु अहारी, अन्य कई पदाधिकारी ने विचार व्यक्त किये।



अर्शदीप सिंह को 4 दिवसीय क्रिकेट पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वह गेंद को दोनों तरफ घुमाते हैं। मुझे उम्मीद है कि उनके दिमाग में टेस्ट क्रिकेट होगा। क्योंकि आप टी20 में पैसा कमाएंगे और अगर आपको विरासत छोड़नी है तो आपको ऐसा करना होगा। -वसीम अकरम

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, अर्शदीप सिंह के बारे में कहा।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



डी. गुकेश

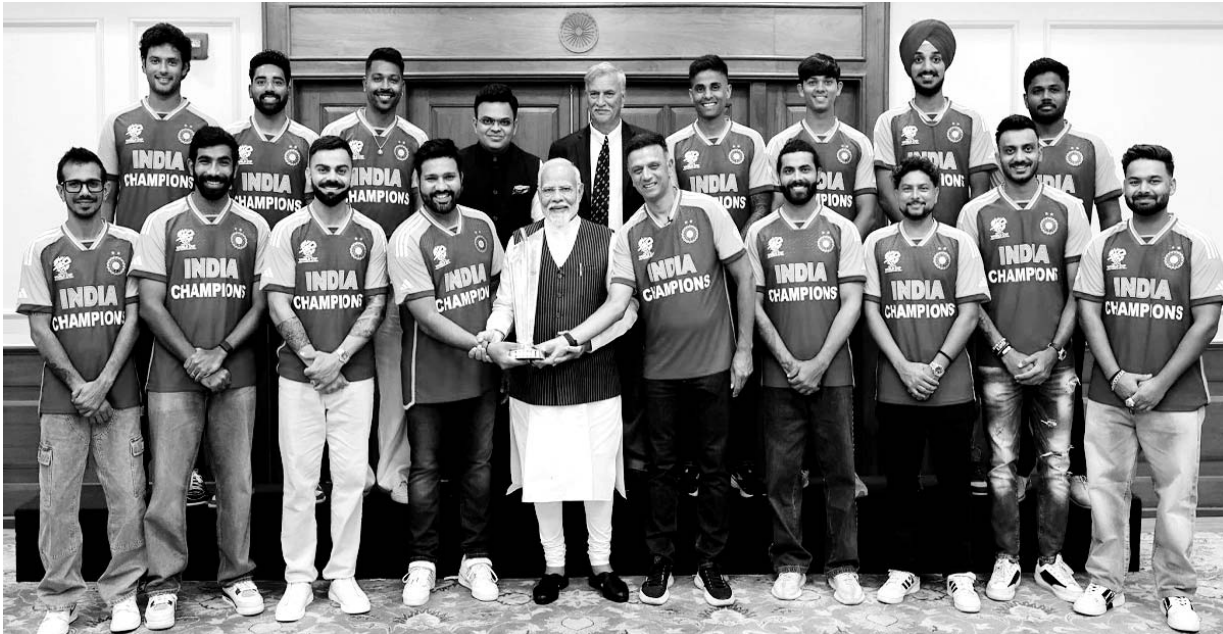
विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका। एक बार फिर दिन की सभी बाजियां डूंगी रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान

नेपोमन्याची के साथ अंक बांटे। अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ डूंगी खेला जबकि गिरी ने वाचियेर-लाग्रेव के साथ बाजी डूंगी की शीर्ष वरीय करुआना दो जीत और पांच डूंगे से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार है।

राष्ट्रपति उदयपुर, 5 जुलाई, 2024 5

स्वदेश लौटने पर विश्व विजेताओं का भव्य स्वागत

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से मुलाकात की, पीएम भी बनें टी-20 विश्व जीतने वाली टीम का हिस्सा, भेंट में मिली 'नमो 1' की खास जर्सी



मुंबई में चैंपियंस का विजय जुलूस, मरीन ड्राइव पर जनसैलाब, वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान किया

मुंबई, 4 जुलाई। टी-20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया का जबरदस्त तरीके से देश में स्वागत हुआ है। आज सुबह दिल्ली में वापस आने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का जबरदस्त स्वागत नई दिल्ली में हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। अब खिलाड़ी मुंबई में हैं। मुंबई में भी खिलाड़ियों का जबरदस्त तरीके से स्वागत किया गया। मुंबई में मरीन ड्राइव पर विजय जुलूस निकाला गया। इसमें हजारों फैस जबरदस्त तरीके से शामिल रहे। विश्व विजेता खिलाड़ी बस पर खड़े थे और लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। साथ ही साथ वह लोगों को विश्व कप के ट्रॉफी दिखा रहे थे और हाथों में तिरंगा लहरा रहे थे। खिलाड़ी पूरी तरीके से उत्साह में थे, उमंग में थे और लोगों के साथ खुद भी झुम रहे थे। क्रिकेट टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की है। टी20



विश्व विजेता टीम बनने के बाद भारतीय टीम ने दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इस दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जय शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके आवास पर जाकर नमो 1 जर्सी भेंट की। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर रोजर बिन्नी और जय शाह को पीएम मोदी को भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी भेंट करते हुए एक तस्वीर साझा की, जिसके साथ कैप्शन में लिखा है, "विजयी भारतीय क्रिकेट टीम ने आज आगमन पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की।

सर, हम आपके प्रेरक शब्दों को प्रदान किए गए अमूल्य समर्थन के लिए आपका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। जय हिंद!" इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में विश्व कप विजेता टीम के साथ बातचीत भी की थी। उन्होंने इस बेतक के दौरान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों के साथ बातचीत की। टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम राष्ट्रीय राजधानी पहुंची, जहां प्रशंसकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जो अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और ट्रॉफी की एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वानखेड़े स्टेडियम विश्व विजेताओं के सम्मान में बड़ा कार्यक्रम

रखा गया है। जय शाह पहले ही 1.25 करोड़ रुपए इनाम की घोषणा कर दी है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह भी मौजूद रहे। साथ ही साथ बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी साथ रहे। मरीन ड्राइव पर विक्ट्री परेड में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत रखी गई है। खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। लोगों का जबरदस्त हुजूम है, जैनसैलाब पूरी तरीके से उमड़ा हुआ है। वानखेड़े स्टेडियम में भी जबरदस्त जन सैलाब है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई पुलिस आयुक्त को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि मरीन ड्राइव और वानखेड़े स्टेडियम में एकत्र हुए भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यातायात का कोई कुप्रबंधन या असुविधा न हो। सीएम द्वारा पुलिस को आज मरीन ड्राइव और उसके आसपास उचित भीड़ और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसके पहले टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम बृहस्पतिवार को विशेष विमान से स्वदेश लौट आई। लगातार बुदाबादी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जिसके बाद टीम के सदस्यों ने नारते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

आडवाणी का एशियाई बिलियर्ड्स में जीत का क्रम जारी, सिद्धार्थ को 4-2 से हराया

नयी दिल्ली, 4 जुलाई। भारत के शीर्ष क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिद्धार्थ पारिख को 4-2 से हराकर एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में खिताब की हैट्रिक की ओर कदम बढ़ाए। मैच में पारिख ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला फ्रेम 101-38 से जीता। दूसरे फ्रेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन पारिख ने 100-99 से आडवाणी को हराकर 2-0 की बढ़त बनाई। आडवाणी ने दो फ्रेम से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए



तीसरा फ्रेम 101-0 से जीता। चौथे फ्रेम में पारिख 95 के ब्रेक के बावजूद आडवाणी को 101-95

से जीतने से नहीं रोक पाए। आडवाणी पांचवें फ्रेम में हावी रहे और 87 के ब्रेक के साथ 104-2 की जीत से 3-2 की बढ़त बनाने में सफल रहे। छठे फ्रेम में पारिख ने 95 का शानदार ब्रेक बनाया लेकिन इसके बावजूद 95-102 के स्कोर से फ्रेम और मैच गंववा दिया। आडवाणी ने कहा, "लय बनाए रखना अच्छा है। सिद्धार्थ मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। खेल की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए यह एक रोमांचक मैच था। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ता है, ध्यान केंद्रित रखना महत्वपूर्ण होता है।

डोप जांच में विफल रही 400 मी. धाविका दीपांशी, नाडा ने निलंबित किया

नयी दिल्ली, 4 जुलाई। नाडा ने हाल में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली भारत की शीर्ष महिला 400 मीटर धाविका दीपांशी को डोप जांच में विफल होने के कारण निलंबित किया। दीपांशी (21 साल) ने शुक्रवार को पंचकुला में महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में किरण पहल (50.92 सेकेंड) के बाद 52.01 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया था। टूर्नामेंट के दौरान लिये गये डोप नमूने में "एनाबोलिक स्टेरायड" मिला है। ये नमूने 27 जून को (हीट रेस के बाद या सेमीफाइनल में) लिये गये। राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप (27 से 30 जून) में यह पहला डोप पॉजिटिव मामला सामने आया है जो पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाईंग टूर्नामेंट भी था। दीपांशी राष्ट्रीय शिविर में ट्रेनिंग नहीं करतीं।

बाबर आजम की कप्तानी पर लटकी तलवार

पीसीबी ने गैरी कस्टन और पूर्व खिलाड़ियों पर छोड़ा फैसला

कराची, 4 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने गुरुवार को कहा कि कप्तान के तौर पर बाबर आजम के भविष्य पर अभी कोई फैसला नहीं किया गया है और मुख्य कोच गैरी कस्टन तथा पूर्व खिलाड़ियों के साथ सलाह मशिवरे के बाद ही आगे फैसला लिया जायेगा। नकवी ने कहा कि वह कस्टन और सहायक कोच अजहर महमूद से यहां जल्द ही मुलाकात करेंगे और राष्ट्रीय टीम के टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह जल्दबाजी में कोई भी फैसला नहीं करेंगे। नकवी ने टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण से पाकिस्तान के बाहर होने के बाद टीम की ओलोचना की थी और कहा कि थोड़े समय काफ़ी बदलाव की जरूरत है। उन्होंने यहां मीडिया से कहा, "मैंने कस्टन और महमूद से यहां आने के लिए कहा



है क्योंकि मैं उनसे आमने सामने बात करना चाहता हूँ। कस्टन ने टीम पर एक विस्तृत रिपोर्ट दी है जिससे हमें भविष्य के बारे में फैसला लेने में काफी मदद मिलेगी। अभी तक बाबर आजम के संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया है।

रुद्राक्ष पाटिल, जिन्होंने महज 20 साल की उम्र में कर लिया ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली, 4 जुलाई। देश के उभरते सितारे निशानेबाज रुद्राक्ष पाटिल ने सिर्फ 20 साल की छोटी उम्र में ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रच दिया है। पाटिल ने काहिरा में आयोजित शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। रुद्राक्ष पाटिल महान शूटर अर्जुन बिंद्रा के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय निशानेबाज बन गए हैं। इस जीत के साथ ही रुद्राक्ष पाटिल ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए एपी अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। 16 दिसंबर 2003 को महाराष्ट्र के ठाणे में जन्मे रुद्राक्ष शूटिंग को दुनिया



में धूम मचा रहे हैं। उनके कोच अजीत पाटिल ने उनके विकास में अहम भूमिका निभाई है। रुद्राक्ष के माता-पिता बालासाहेब पाटिल और हेमांगिनी पाटिल ही शूटिंग में उनकी रुचि के पीछे शुरूआती प्रेरक शक्ति थे। अपने पूरे करियर के दौरान, रुद्राक्ष ने 7

इंग्लैंड की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया, सीरीज भी जीती

ब्रिस्टल, 4 जुलाई। लॉरेन बेल (पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी उसके बाद नेट साइवर-ब्रेंट नाबाद (76) और एमी जोन्स (50) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से जीत ली है। 21.2 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने शुरुआत अच्छी नहीं रही एक समय 33 के स्कोर पर उसने अपने तीन विकेट गवां दिये थे। टैमी ब्यूमोंट (शून्य), कप्तान हीथर नाइट (9) और मैया वाडचिर (19) रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद नेट साइवर ब्रेंट ने सोफिया डंकली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान सोफिया डंकली (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद एमी जोन्स और नेट साइवर ब्रेंट के साथ पांचवें विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की ओर अग्रसर किया।

बोपन्ना-एडेन की जोड़ी पहुंची विंबलडन के अगले दौर में

लंदन, 4 जुलाई। भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एडेन ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल मुकाबले में नीदरलैंड के रोबिन हास और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी को हराकर दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। बुधवार को बोपन्ना और एडेन की जोड़ी ने एक घंटे 11 मिनट तक चले वर्षा बाधित पहले दौर के मुकाबले में नीदरलैंड की जोड़ी को 7-5, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। बोपन्ना और एडेन की जोड़ी तीसरे दौर में हार्दिक जेवंस और कॉन्स्टेंटिन फेरटजन की जर्मनी की जोड़ी से मुकाबला करेगी। इससे पहले दिन के एक अन्य मैच में भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और सर्बिया डुसान लाजोविच की जोड़ी को विंबलडन टूर्नामेंट में पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

क्वार्टरफाइनल मुकाबले हुए तय, पुर्तगाल का होगा फ्रांस की टीम से सामना

नीदरलैंड ने रोमानिया को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 4 जुलाई। नीदरलैंड्स की टीम ने यूरो कप 2024 के राउंड ऑफ 16 में रोमानिया की टीम को 3-0 से हराने के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। अब नीदरलैंड्स की टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना टर्क की टीम से होगा। यूरो कप में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए होने वाले इस राउंड के मैचों की शुरुआत 5 जुलाई से होगी। वहीं इस बार यूरो कप की मेजबानी कर रही जर्मनी टीम का सामना यूरो कप में स्पेन की टीम से होगा। इस बार दूसरा क्वार्टर फाइनल काफी रोमांचक होने वाला है जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की



टीम एमबापे की फ्रांस से खेलेगी जिसमें ये मैच 5 जुलाई को खेला जाएगा। पुर्तगाल की टीम को राउंड ऑफ 16 में स्लोवेनिया की टीम से जीत हासिल करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। यूरो कप 2024 में क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल इस प्रकार है। पहला क्वार्टर फाइनल स्पेन बनाम जर्मनी - 5 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9:30 पर, दूसरा क्वार्टर फाइनल पुर्तगाल बनाम फ्रांस - 6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 पर, तीसरा क्वार्टर फाइनल इंग्लैंड बनाम स्विट्जरलैंड - 6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9:30 पर, चौथा क्वार्टर फाइनल नीदरलैंड बनाम टर्क - 7 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 पर होगा।

वानखेड़े में हार्दिक-हार्दिक के नारे, कुछ महीने पहले इसी मैदान पर हुई थी हटिंग

वानखेड़े, 4 जुलाई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम के हीरो रहे स्टर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के लिए पिछले कई महीने उतार-चढ़ाव के रहे। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बीच में ही चोटिल होने के बाद टूर्नामेंट से बाहर होना और फिर आईपीएल 2024 में हार्दिक-हार्दिक पंड्या के लिए आसान नहीं रही। इसके बाद आईपीएल 2024 में हार्दिक-हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिलना और फैंस का लगातार उनके खिलाफ हटिंग और उन्हें टोल करना जारी रहा। फैंस आईपीएल 2024 में हार्दिक पंड्या से काफी नाराज थे जिस कारण देश का कोई भी मैदान अखूता नहीं था जहां हार्दिक पंड्या को लेकर हटिंग नहीं हुई। वहीं मुंबई इंडियंस के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में भी हार्दिक को फैंस की नाराजगी झेलनी पड़ी।



लेकिन दो महीने बाद वक्त बदला, हालात भी बदले और वही फैंस आज वानखेड़े स्टेडियम में

हार्दिक-हार्दिक के नाम के नारे लगा रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को स्पेश चार्टर विमान से स्वदेश लौट आई है। जिसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच टीम इंडिया पहले पीएम मोदी से दिल्ली में उनके आवास पर मिली और साथ ही ब्रेकफास्ट भी किया। उसके बाद भारतीय टीम मुंबई के लिए निकल गई और अब मुंबई पहुंच भी गई है। इसके साथ ही खुली बस में विजय परेड होगी और फिर वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह होगा। मुंबई में परेड शुरू होने से पहले हार्दिक-हार्दिक की आवाज से स्टेडियम गूंज उठा है। कुछ महीने पहले ही इसी जगह पर हार्दिक को हटिंग का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब वक्त बदल गया है और फैंस अपने चहेते खिलाड़ी के दीवार के लिए बारिश में भी खड़े हुए हैं।

प्रियांशु, अनुपमा, तान्या और रोहन कनाडा ओपन में दूसरे राउंड में

कैलगरी, 4 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने कनाडा ओपन में पुरुष और महिला वर्ग में प्रियांशु राजावत, अनुपमा उपाध्याय, तान्या पुरुष एकल स्पर्धा के हराकर दूसरे राउंड में पहुंचे। विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज राजावत के यानिक सिमर ने अपने हमवतन मारुतो बरेटिनी को कड़े मुकाबले में 7-6, 7-6, 2-6, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

21, 21-16, 21-14 से जीत लिया। राजावत गुरुवार को बीडब्ल्यूफ सुपर 500 इवेंट के दूसरे राउंड में 33वें स्थान पर मौजूद जापान के ताकुमा ओबायाशी से मुकाबला करेगी। भारतीय महिला एकल बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और तान्या हेमंत के साथ-साथ रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी भी बुधवार को जीत के साथ दूसरे राउंड में जगह बनाने में कामयाब रही। दुनिया के 46वें नंबर के उपाध्याय ने 67वीं रैंकिंग के आयरलैंड के खिलाड़ी राचेल दराथ को 21-11, 21-11 से हराया। अब वह राउंड ऑफ 16 में कनाडा की विश्व नंबर 36 मिशेल ली से मुकाबला करेगी।



मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया

इस्तीफे की घोषणा के साथ डॉ. किरोड़ी ने एक्स पर लिखा "रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाई पर वचन ना जाई"

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान की भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गुरुवार सरकार के सभी मंत्रियों से इस्तीफा दे दिया है। राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद से ही डॉ. किरोड़ी लाल के इस्तीफे की अटकलें चल रही थीं। पूर्वी राजस्थान की सीटों पर हार की जिम्मेदारी लेते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने इस्तीफा दिया है। मंत्री किरोड़ी लाल लोकसभा चुनाव परिणाम आने के साथ ही सरकारी सुविधाएं छोड़ दी थीं।

बता दें कि किरोड़ी मीणा सोशल मीडिया सहित कई मंचों पर इस्तीफा देने के संकेत दे रहे थे। अब उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मंत्री पद से त्यागपत्र भेज दिया। इस्तीफा देने के साथ ही डॉ. किरोड़ी ने सुबह 10:50 पर अपनी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक आमचरितमानस चौपाई पोस्ट की "रघुकुल रीत सदा चली आई। प्राण जाई पर वचन ना जाई।"

इससे पहले भी वो इन्हीं पंक्तियों के जरिए अपने इस्तीफे के संकेत दे चुके थे। किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि मैंने 5 जून को अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया था। उसके बाद 25 जून को मैंने मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा था। लेकिन उन्होंने इस्तीफे को पूरी तरह से ठुकरा दिया। जिसके बाद मैंने उन्हें इस्तीफा मेल कर

■ किरोड़ी ने बताया कि, उन्होंने 5 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस्तीफा भेज दिया था और 25 जून को व्यक्तिगत मुलाकात कर इस्तीफा दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने अस्वीकार कर दिया था

■ डॉ. किरोड़ी ने कहा कि, अपने क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी को नहीं जिता पाने पर मैंने इस्तीफा देने का प्रण लिया था। इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं। मुझे पार्टी संगठन एवं सरकार से कोई शिकायत नहीं है।

■ डॉ. किरोड़ी ने इस्तीफा मेल करने के बाद पुरी के पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के प्राकट्योत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की और मंच से इस्तीफा देने की सार्वजनिक घोषणा की।

दिया है और इसकी घोषणा आज कर दी है। उन्होंने कहा- "मुझे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस्तीफा देने से मना किया था, लेकिन मैं मंत्री पद से इस्तीफा दे चुका हूँ।"

मीणा ने कहा जैसा कि आप लोग जानते हो की अथक परिश्रम के बाद भी मैं अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में पार्टी को जिता नहीं सका। मैंने चुनाव के दौरान घोषणा कर दी थी। उस घोषणा को मैंने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि दिन रात मैंने जनता के लिए संघर्ष किया। ना दिन देखा ना रात। लेकिन जनता ने मेरी नहीं मानी। मुझे निराश किया। इसलिए मैंने अंतरात्मा की आवाज पर पद छोड़ दिया।

उन्होंने कहा मेरी मुख्यमंत्री से कोई शिकायत नहीं है ना ही कोई संगठन से शिकायत है। ना ही कोई अपेक्षा है और ना ही मुझे कोई पद चाहिए। ईमानदारी से कर रहा हूँ, मैं अपनी पार्टी को नहीं जिता सका। मेरी यह असफलता है और उसी असफलता के कारण मैंने इस्तीफा दिया है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि जब मैं सरकार था। तब मैंने आर.ए.एस. भर्ती परीक्षा को स्थगित करने की मांग की थी। वह परीक्षा स्थगित कर दी गई। हाॅटॅकल्वर की जमान कीडियों के भाव में अलवर में बेच दी थी। मैंने सरकार का ध्यान आकर्षण किया। तो वह बिक्री निरस्त हो

गई। जल जीवन मिशन के घोटेले की सी.बी.आई. जांच की मांग मैंने सरकार से की थी। सरकार ने सी.बी.आई. को जांच दे दी। सरकार में था तब भी जनता के मुद्दों को मजबूती से रखने का काम किया। आगे भी यह चलता रहेगा।

किरोड़ी लाल मीणा के भतीजे और दौसा की महिजा सीट से विधायक राजेंद्र मीणा ने भी जून में मीडिया से बातचीत में साफ तौर पर कहा था कि किरोड़ी जल्द अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं।

इस्तीफा देने के बाद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को जयपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की और मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। इसी कार्यक्रम में मंच से अपने संबोधन में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने आज के राजनीतिक हालात पर चिंता जाहिर की। डॉ. किरोड़ी गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के प्राकट्योत्सव पर आयोजित राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि रेल हादसे में कई लोगों की जान जाने पर उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए रेलमंत्रियों के पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसी उच्च आदर्श वाली राजनीति की आज आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) समस्पाद सुनौ। ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वाई चंद्रचूड़ को लिखे लेटर में वकीलों ने कहा है कि केजरीवाल की जमानत अर्जी पर जज फैसला लेने में देरी कर रहे हैं।

मुकेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) टन" अनुग्रह किया है, सिवाय उन अवसरों के, जब मुकेश अंबानी उन्हें पीछे छोड़ दिया है। आगामी समय इस दृष्टि से रोचक रहेगा।

हेमन्त सोरेन द्वारा पुनः मु.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पद से हटा कर हेमन्त ने उनका अनादर किया है तथा वे सत्ता लोलुप व अवसरवादी हैं। इस तर्क के विरोध में इतना ही कहा जा सकता है कि ऐसे मामलों में भाजपा का स्वयं का रिकॉर्ड भी प्रसंसीय नहीं है क्योंकि इसी तरह के एक केस में आदिवासी नेता सर्बानंद सोनवाल को असम के मुख्यमंत्री पद से हटाकर हेमन्त बिस्वा शर्मा के मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त किया गया था।

रांची में सत्ता परिवर्तन के वास्तविक कारण राजनीतिक हैं। हालांकि, चर्म्पई एक सीनियर एवं सम्माननीय नेता हैं, किन्तु उन्हें आदिवासी वोटों के अलावा अन्यत्र समर्थन प्राप्त नहीं है। हेमन्त में चोर्से में सिम्पैथी फैक्टर पैदा करने की क्षमता है और

ओ.बी.सी., अनुसूचित व अन्य जातियों में भी उनकी भारी स्वीकार्यता है। हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनाव में चर्म्पई की सीमित राजनीतिक अपील का पता तब चला जब राज्य की कुल 13 लोकसभा सीटों में से इण्डिया गठबन्धन सिर्फ 5 ही जीत सका।

इंडिया ब्लॉक के द्वारा जीती गई सीटों में राजमहल, दुमका व सिंहभूम जे.एम.एम ने जीती थी तथा कुती व लोहरदगा सीटें कांग्रेस ने जीती थी। दूसरी तरफ भाजपा ने सात सीटों पर विजय पाई थी जबकि एन.डी.ए. के सहयोगी दल ए.जे.एस.यू. एक सीट जीतने में कामयाब हुआ था। यदि लोकसभा के नतीजों में विस्तार होता है विधानसभा के नतीजों में रूपांतरित होते हैं तो भाजपा का पलड़ा भारी नजर आता है।

यदि संपूर्ण इंडिया गठबंधन को मौका मिला है तो हेमन्त सोरेन सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। यह भी महसूस किया गया कि यदि मुख्यमंत्री चर्म्पई के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन विजयी मिलती है तो चुनाव पश्चात् के परिदृश्य में उनको हटाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। चूंकि हेमन्त ने इस दाव को अपने हाथ में ले लिया है इसलिए उन्हें बहुत सावधानी से चलने की आवश्यकता है और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके इस नये कदम के तहत सीटों को पूरा आदर व सम्मान दिया जाए। संभावना तो यह है कि चर्म्पई को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा, इसके साथ ही अटकलें यह भी हैं कि हेमन्त सोरेन की नवगठित सरकार में चर्म्पई को महत्वपूर्ण मंत्रालय से नवाजा जाएगा।

बंगाल के राज्यपाल के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा

राजभवन की एक महिला कर्मचारी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में महिला दावा किया कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक प्रतिकक्षा के कारण वह उपचारविहीन हो गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए वह पश्चिम बंगाल पुलिस को आवश्यक निर्देश दे।

नई दिल्ली, 4 जुलाई (वार्ता)। पश्चिम बंगाल राजभवन की एक महिला कर्मचारी ने वहां के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में महिला दावा किया कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक प्रतिकक्षा के कारण वह उपचारविहीन हो गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए वह पश्चिम बंगाल पुलिस को आवश्यक निर्देश दे। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत संवैधानिक व्यक्ति को प्राप्त प्रतिकक्षा को सीमा तक दिशानिर्देश और योग्यता निर्धारित करने का भी अनुरोध किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 361 (2) में कहा गया है कि राष्ट्रपति या किसी राज्य

अपनी याचिका में महिला ने दावा किया कि राज्यपाल को दी गई संवैधानिक प्रतिकक्षा के कारण वह असहाय हो गई है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई है कि, यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए वह बंगाल पुलिस को आवश्यक निर्देश दे।

राजभवन को एक शिकायत भी लिखी थी, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कथित निष्क्रियता बरतते हुए उसे अपमानित किया गया और मीडिया में उसका मजाक उड़ाया गया। उसे राजनीतिक हथियार बताया गया, जबकि उसके आत्मसम्मान को कोई सुरक्षा नहीं की गई। याचिका में उक्त प्रावधान का हवाला देते हुए दलील दी गई है कि ऐसी शक्तियों को पूर्ण नहीं समझा जा सकता, जिससे राज्यपाल को ऐसे कार्य करने का अधिकार मिल जाए जो अवैध हों या जो संविधान के भाग तीन की बुनियाद पर प्रहार करते हैं। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायतों को उजागर करते हुए

हर दूसरे नागरिक को ऐसा करने से प्रतिबंधित किया गया है। शिकायतकर्ता महिला ने याचिका में कहा है कि यह (विशेष अधिकार) सीधे तौर पर संविधान के तहत उसके साथ ही (याचिकाकर्ता) सहित प्रत्येक व्यक्ति को दिए गए मौलिक अधिकारों पर हमला करता है। याचिका में कहा गया, इस मामले में पीड़िता (याचिकाकर्ता) को झूठा बनाना, जबकि यह सुनिश्चित करना कि आरोपी/माननीय राज्यपाल खुद बेदाग हैं। सत्ता का ऐसा अनियंत्रित प्रयोग एक गलत मिसाल कायम करेगा, जिससे यौन पीड़ितों को कोई राहत नहीं मिलेगी। यह संवैधानिक लक्ष्य का पूर्ण उल्लंघन होगा। याचिकाकर्ता ने दो मई 2024 को संबोधित प्रभारी अधिकारी को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें राज्यपाल पर बेहतर नौकरी देने के बहाने उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया।

इस्तीफे का तात्कालिक कारण?

जयपुर, 4 जुलाई। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा देने की सार्वजनिक घोषणा गुरुवार को सुबह की लेकिन सरकार ने बुधवार रात को ही विधानसभा में जवाब देने के लिए दो मंत्रियों के बीच उनके विभागों का बंटवारा कर दिया।

जानकारी के अनुसार, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कृषि मंत्री के पद से 5 जून को ही मुख्यमंत्री को इस्तीफा भेज दिया था और 25 जून को उन्होंने खुद मिलकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस्तीफा सौंपा था।

हालांकि मुख्यमंत्री ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था। लेकिन विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उनके

■ बताया जाता है कि, विधानसभा में डॉ. किरोड़ी के विभागों से संबंधित सवाल का जवाब देन के लिए राज्य सरकार ने उनके विभागों को दो मंत्रियों में बांट दिया था, इसलिए किरोड़ी ने आनन-फानन में इस्तीफे की अधिकृत घोषणा कर दी।

विभागों से सम्बंधित सवालों के जवाब देने के लिए सरकार ने बुधवार रात दो अन्य मंत्रियों को विभागों की जिम्मेवारी सौंप दी तथा इसके आदेश भी जारी कर दिए थे।

सूत्रों का कहना है कि शायद इसी कारण से डॉ. किरोड़ी ने गुरुवार सुबह इस्तीफा मेल कर दिया और सोशल मीडिया पर भी इसकी जानकारी दे दी।

सरकारी सूचना के अनुसार आपदा प्रबंधन राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ग्रामीण विकास विभाग, आपदा प्रबंधन, सहायता और नागरिक सुरक्षा विभाग के सवालों का जवाब देते और राज्य मंत्री के.के. विनोदों की उन्नत विभाग, जन अधिकार निराकरण विभाग और उद्यान विभाग के सवालों का जवाब देने के लिए अधिकृत होंगे।

कोटा, 4 जुलाई (निर्स)। देशभर से मेडिकल और इंजीनियरिंग एंट्रेस की कोचिंग करने आने वाले स्टूडेंट्स के सुसाइड के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। गुरुवार को एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या कर ली। मृतक संदीप बिहार के नालंदा का रहने वाला था और जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था। संदीप का भाई भी कोटा में रहकर नीट (यू.जी.) की तैयारी कर रहा है।

संदीप महावीर नगर थर्ड इलाके में एक मकान में बतौर पी.जी. रहता था। आत्महत्या की सूचना भी उसके सामने वाले रूम में रहने वाले छात्र ने मकान मालिक को दी थी। क्योंकि उसके कमरे की लाइट जल रही थी और वह फंदे से लटका हुआ नजर आया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसके शव को फंदे से उतारकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। महावीर नगर थाना अधिकारी महेंद्र मारू का कहना है कि मृतक बिहार के नालंदा का निवासी है। वह बीते एक साल से कोटा में रहकर जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था। इसका भाई भी कोटा में रहकर ही नीट यू.जी. की तैयारी कर रहा है। दोनों भाई एक ही कोचिंग संस्थान में पढ़ते हैं लेकिन संस्थान की बिल्डिंग अलग-अलग है। इसलिए उसका भाई दावाबाड़ी में रहता है। वह भी सूचना मिलने पर संदीप के पीजी में पहुंच गया था।

यह इस वर्ष का ग्यारहवां सुसाइड केस है। सुसाइड की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन ने सभी हॉस्टल और पीजी में पंखों में पंटी सुसाइड रॉड (हेंगिंग डिवाइस) लगाने के निर्देश दिए हैं लेकिन अधिकांश पी.जी. में ऐसी रॉड नहीं है। इस पी.जी. में भी नहीं है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे महावीर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर कमल किशोर का कहना है कि करीब पांच साल पहले मृतक छात्र के माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। दोनों भाइयों को उनके चाचा ही पढ़ा रहे थे और वह रेलवे में नौकरी करते हैं। उन्होंने उसकी सूचना मिलने पर आने में

■ मृतक छात्र संदीप, बिहार के नालंदा से यहां जे.ई.ई. की तैयारी करने आया था। अब तक कोटा में विद्यार्थियों द्वारा सुसाइड की 11 घटनाएं हो चुकी हैं।

असमर्थता जाताई। उन्होंने सहमति दी कि मृतक के भाई की उपस्थिति में ही उसका पोस्टमार्टम करवा दिया जाए। ऐसे में उसके शव को पोस्टमार्टम कच्चा करके भाई को सौंप दिया गया। मकान मालिक ने बताया कि रात को करीब 9.30 बजे वह मैसेज से खाना खाकर आया था। इस दौरान उससे बात हुई थी। वह अपने कमरे में चला गया था। यह बात भी सामने आई है कि एक दिन पहले ही बुधवार को उसके चाचा ने उसके खाते में पैसे भी डलवाए थे। घटनाक्रम में सामने आया है कि छात्र देर रात 12 बजे तक पढ़ाई कर रहा था। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इसलिए सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। यह भी पता चला है कि संदीप नियमित रूप से कोचिंग संस्थान भी नहीं जाता था और अक्सर छुट्टी करता था।

आवंटित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में बिल्डर से 40 लाख रुपये में विक्रय पत्र के जरिए एक प्लेट खरीदा। बिल्डर ने उसे चौबिहिया वाहन की पार्किंग पीपी 601 आवंटित की। वह नियमित तौर पर पार्किंग की जगह का उपयोग करता रहा। लेकिन बिल्डर ने उसे आवंटित की गई कार पार्किंग की जगह में से कुछ जगह अन्य प्लेट मालिक को बेच दी। परिवारी ने कहा कि उसने बिल्डर से अपनी पार्किंग से अन्य वाहन हटवाने का आग्रह किया, लेकिन कोई कारवाही नहीं हुई। इसलिए उसे विक्रय पत्र के अनुसार समान नाप व पैमाइश की जगह ही पार्किंग के लिए मुहैया कराई जाए।

प्र.मंत्री की आठ व नौ जून की रूस यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उद्देश्यों के अनुकूल भी है। वे पश्चिम दुनिया के पसंदीदा उदार लोकतांत्रिक मॉडल में संघर्ष को लेकर एक वैकल्पिक सिस्टम प्रस्तुत करना चाहते हैं। चीन के प्रभुत्व वाली किसी व्यवस्था के प्रतिरोध में पारम्परिक मतभेदों के अलावा बेलायत को एस.सी.ओ. में शामिल किया जाना, शायद भारत के बर्दाश्त की हद थी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सम्मेलन में भाग लेने आगे देशों से एक अनुरोध कर अपने कूटनीतिक इरादे जाहिर कर दिए थे। उन्होंने इन देशों का आह्वान किया था कि वे अमेरिका की अधिकृत व्यवस्था से परे अपने उद्देश्यों को लेकर स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ें और विकास के अधिकारों के लिए संघर्ष करें।

शी ने आज ही कहा कि एस.सी.ओ. के सदस्य देश अपनी सुरक्षा संरचना में "बाहरी ताकतों" के हस्तक्षेप के किसी भी प्रयास का प्रतिरोध करें। हालांकि, इसमें अन्तर्निहित विरोधाभास था। इस फोरम में रूस की उपस्थिति का होना, जबकि रूस अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर बिना किसी कारण के आक्रमण कर चुका है। रूस के आक्रमण की पृष्ठभूमि में जब इस संगठन का पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था तब प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को स्पष्ट कर दिया था कि "नह समय युद्ध का नहीं बल्कि मतभेदों और विवादों को वार्ता एवं बातचीत के जरिए हल करने का है। तब मोदी के इस सैंसेज की यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर पुतिन से पहली प्रत्यक्ष झड़प के रूप में प्रशंसा की

गई थी। मोदी ने उसके तुरंत बाद अमेरिका का दौरा किया था, जहां वॉशिंगटन में उनका गणवेशी से स्वागत किया गया और उनके सम्मान में वाइट हाउस में राजकीय "डिनर" रखा गया। उन्हें अमेरिका की सीनेटर्स को संबोधित करने का सुअवसर भी प्रदान किया गया। अब एक बार पुनः भारत को रूस के साथ रक्षात्मक भूमिका निभानी है। रूस के द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद अमेरिका व पश्चिमी देशों की कसूर से उस पर लगाए गए प्रतिबंधों से बरत है। इसीके चलते रूस को पूर्ण रूप से अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से अलग-थलग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। परन्तु इस बार भारत ने पश्चिमी देशों के इस खेल में शरीक होने से मना कर दिया था। बल्कि भारत ने रूस से कम

मूल्य पर तेल खरीदना जारी रखा जो भारत के हित में रहा था। इस तरीके से भारत रूस को मदद करने में प्रमुख भागीदार रहा।

भारत के हित भी रूस के साथ बंधे हुए हैं, क्योंकि वह भारत को मुख्य रूप से सेना के लिए अन्न-शस्त्र सिस्टम की आपूर्ति करता रहा है। यह इसलिए अति महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत हिमालय की सीमाओं पर चीन से शत्रुता का सामना कर रहा है। इसलिए भारत को विभिन्न मोर्चों के मुद्देनजर बहुत ही मुश्किल व सूक्ष्म कूटनीतिक खेल अपने हितों की रक्षा रखना है।

भारत के प्रधानमंत्री इन सब परिस्थितियों के चलते एस.सी.ओ. की बैठक में भाग नहीं लेकर सीधे रूस की यात्रा पर जा रहे हैं।

आदिवासियों का "डी.एन.ए. टैस्ट" करवाने के बयान पर मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग पर अड़ा विपक्ष

-विधानसभा संवाददाता- जयपुर, 4 जुलाई। आदिवासियों को हिंदू बताने और उनका "डी.एन.ए. टैस्ट" करवाने के तथाकथित बयान पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर गुरुवार को विधानसभा में धिरेत नजर आए। कांग्रेस और आदिवासी विधायकों ने मदन सदन में हंगामा करते हुए मदन दिलावर से माफी मंगवाने और उनका इस्तीफा दिलवाने की मांग रखी। इस मुद्दे पर सदन में हंगामा इतना बढ़ा कि, विपक्षी विधायक वैल में उतर आए और सत्ता पक्ष के साथ गुथ्यमगुथ्या होते-होते बचे। आनन-फानन में विधानसभा के मार्शलों ने मोर्चा संभाला और उन्हें एक-दूसरे से अलग किया। हालात बिगड़ते देख विधानसभाध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी को 2 बार में सदन की कार्यवाही 1 घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। बाद में जब सदन पुनः जुटा तो

स्पीकर ने दोनों पक्षों को संयम रखने की नसीहत दी और कहा कि, विधानसभा के इतिहास में आज सदन की कार्यवाही तार-तार होते बची है। हालांकि, कांग्रेसी विधायक अपनी ज़िद पर अड़े रहे और अध्यक्ष के वक्तव्य के बाद पूरा विपक्ष शेष कार्यवाही के लिए सदन से वाकआउट कर गया। इसके बाद विपक्ष की गैरमौजूदगी में ही सदन में रीको और डेयरी के वार्षिक प्रतिवेदनों पर चर्चा की गई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में कहा कि, मदन दिलावर ने आदिवासियों पर बेहद निंदनीय टिप्पणी की है और अपने बयान पर माफी नहीं मांगी है, मुख्यमंत्री ने भी उनसे इस्तीफा की नहीं लिया है, हमारी ये दो ही प्रमुख मांगें हैं।

इससे पहले अपने बयान को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा

सदन में दिनभर भारी हंगामा करने के बाद विपक्ष ने दोपहर में सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर वॉक आउट किया

कि, "आदिवासियों ने हमारी संस्कृति को बचाया है। आदिवासी समाज के बारे में कोई नकारात्मक चर्चा करना मेरे मन में कभी नहीं रहा। मैं यह जानता हूँ कि अनादि काल से इस देश में आदिवासी रहता आया है और आदिवासी समाज का जब सम्मान करते हैं। मैंने बिरसा मुंडा जी का नाम भी सुना और पढ़ा है। बिरसा मुंडा भगवान के नाम से जाने जाते हैं, ऐसे समाज के बारे में मुझे लेकर जो कहा जा रहा है, वह कदापि सही नहीं है।" दिलावर ने स्पष्ट किया कि मेरे से एक पत्रकार ने पूछा था कि "सांसद राजकुमार रौत ने ऐसा कहा है कि

■ एक बार तो हालात इतने बिगड़े कि विपक्षी विधायक वैल में उतर आए और सत्ता पक्ष के साथ गुथ्यमगुथ्या होते-होते बचे। गनीमत रही कि, आनन-फानन में विधानसभा के मार्शलों ने मोर्चा संभाला और उन्हें एक-दूसरे से अलग किया।

■ स्पीकर डॉ. वासुदेव देवनानी को 2 बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बाद में जब सदन पुनः जुटा तो स्पीकर ने दोनों पक्षों को संयम रखने की नसीहत दी और कहा कि, "विधानसभा के इतिहास में आज सदन की कार्यवाही तार-तार होते बची है।"

आदिवासी ही हैं। क्योंकि हम आदिकाल से यहां रहते आए हैं। मैं आदिवासी महापुरुषों को प्रणाम करता हूँ, नमन करता हूँ। जब पत्रकार ने दोबारा पूछा कि वो तो अपने आप को हिंदू नहीं मानते हैं तो मैंने कहा, "वह प्रासंगिक है कि नहीं कि वंशावली दिखवा लेंगे।" मंत्री के इस स्पष्टीकरण से विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सभी विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए हाथों में तख्तियां लेकर वैल में आ गए। प्रदर्शन करते हुए दिलावर की ओर विपक्षी सदस्यों को बढ़ते हुए देख सत्तापक्ष के सदस्य और मंत्री भी वैल में आ गए।

आदिवासी समाज अनादिकाल से पृथ्वी पर रहता आया है, हम सब

दोनों पक्ष आपस में थिड़ते, इससे पहले ही मार्शलों ने बीच में आकर स्थिति संभाल ली। इस बीच सदन की कार्यवाही आधा घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले प्रश्नकाल में विधानसभा में मंत्री मदन दिलावर दो बार सवालों का जवाब देने खड़े हुए तो दोनों ही बार विपक्ष ने उनका जवाब नहीं सुना और नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर दिलावर ने हंगामे के बीच कहा, "कांग्रेस के लोग आदिवासियों के दुश्मन हैं, ये हिंदुओं के दुश्मन हैं। ये हिंदुओं को हिंसक मानते हैं, ये आदिवासियों को हिंदू नहीं मानते हैं, हिंदुओं के दुश्मन हैं।" गुरुवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान जब मंत्री मदन दिलावर ने सवालों के जवाब देने शुरू किए तो उसके साथ ही विपक्ष ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। भारत आदिवासी

पार्टी के तीनों विधायकों के साथ ही कांग्रेस के सभी विधायकों ने खिल में आकर मदन दिलावर के बिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने मंत्री दिलावर से उनके बयान पर माफी मांगने की मांग उठाई और इस्तीफा देने के लिए कहा। इसी बीच सत्ता पक्ष ने भी विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। ऐसे में प्रश्नकाल के दौरान कुछ ही सवालों के जवाब भी हंगामे की भेंट चढ़ गए। ज्ञातव्य है कि मदन दिलावर के जिस कथित बयान पर हंगामा हो रहा है वह यह है कि "आदिवासी हिंदू हैं या नहीं यह उनके पूर्वजों से पूछेंगे या वंशावली लिखने वालों से पूछेंगे वो कौन हैं। यदि हिंदू नहीं हैं तो उनका डी.एन.ए. टैस्ट करनी।"